RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रुबरू

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्षः 11 अंकः 50 | जयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ ,मंगलवार, 18 अगस्त 2026 | मूल्यः 4 रुपए | पृष्ठः 08

आज का पंचांग

विक्रम संवत् 2083
मास - श्रावण

- तिथि - षष्ठी
- वार - मंगलवार
- पक्ष - शुक्ल पक्ष
- सूर्योदय - 05:42 प्रातः
- सूर्यास्त - 06:38 सायं
- चन्द्रोदय - 10:58
- नक्षत्र - स्वाती
- योग - शुक्ल
- सूर्यराशि - सिंह
- चन्द्रराशि - तुला
- शुभकाल- 12:10 से 01:47 दोप.
- राहुकाल- 03:24 से 05:01 सायं

दिशा शूल : उत्तर

आवश्यक होने पर गुड़ खा कर यात्रा आरंभ करें।

स्टार डायजेस्ट

एलपीजी ई-केवाईसी की डेडलाइन बढ़कर 23 हुई प्रक्रिया ठप, लोग परेशान

नई दिल्ली। गैस सिलेंडर की ई-केवाईसी कराने की आखिरी तारीख 16 से बढ़ाकर 23 अगस्त कर दी गई है। इसके बावजूद ऑयल कंपनियों का सर्वर डाउन होने से यह प्रक्रिया ठप्प पड़ गई है। मोबाइल एप्स के ठीक से काम न करने के कारण लोग अभी भी अपना वेरिफिकेशन पूरा कराने के लिए परेशान हो रहे हैं। काउंटर्स पर काम रुकने के कारण एलपीजी एजेंसियों पर लंबी कतारें लगी हैं। घंटों लाइन में खड़े रहने के बाद भी ग्राहकों को इस बात का भरोसा नहीं है कि उनका ई-केवाईसी हो पाएगा या नहीं। रिपोर्ट के मुताबिक, इस समस्या की मुख्य वजह पूरी तरह स्ट्रक्चरल है।

सरकार के आर्थिक सलाहकार बोले- ई20 से गाड़ियों को नुकसान

नई दिल्ली। सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन का कहना है कि ई20 पेट्रोल से गाड़ियों में नुकसान हो रहा है। पुराने टू-व्हीलर्स के लिए ई10 पेट्रोल की बिक्री फिर से शुरू की जानी चाहिए। नागेश्वरन ने कहा कि भारत ने पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने का लक्ष्य समय से पहले हासिल करके अरबों रुपए तो बचा लिए, लेकिन अब नया संकट खड़ा हो रहा है। सरकार का दावा है कि पेट्रोल में एथनॉल मिलाने से कच्चे तेल के इम्पोर्ट में कमी आई है। इससे अरबों रुपए की बचत हुई है। एथेनॉल की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए गन्ना, मक्का और चावल जैसी खाद्य फसलों को बड़े पैमाने पर एथेनॉल फैक्ट्रियों में भेजा जा रहा है।

स्वतंत्रता दिवस से पहले आतंकी शहजाद भट्टी का नेटवर्क खत्म

नई दिल्ली। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने स्वतंत्रता दिवस से पहले पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े आतंकी संगठन शहजाद भट्टी नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया है। एजेंसियों ने 14 राज्यों में कार्रवाई की। नेटवर्क के 200 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार कर उसके हमले की साजिश नाकाम करने का दावा किया है। गृह मंत्रालय के मुताबिक, 12 अगस्त को राज्य पुलिस बलों के साथ रियल टाइम इंटेलिजेंस शेयरिंग सिस्टम के जरिए यह जॉइंट ऑपरेशन चलाया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट कर कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह नेटवर्क कई आतंकी गतिविधियों में शामिल था। शाह ने लिखा कि मोदी सरकार ने स्वतंत्रता दिवस से पहले आईएसआई के आतंकी संगठन शहजाद भट्टी नेटवर्क को नष्ट कर दिया।

लोकसभा के 251 और राज्यसभा के 75 सदस्यों पर मामले, सुप्रीम कोर्ट में रिपोर्ट पेश

माननीयों का आपराधिक रिकॉर्ड, 326 सांसदों और 14 सीएम के खिलाफ आपराधिक केस

| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में राजनीति के अपराधीकरण पर पेश रिपोर्ट के मुताबिक, लोकसभा के 543 में से 251 सदस्यों पर आपराधिक मामले हैं। राज्यसभा के 233 में से 75 सदस्यों के खिलाफ भी मामले दर्ज हैं। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल एफिडेविट के मुताबिक, सांसदों और विधायकों के खिलाफ 4 हजार से ज्यादा आपराधिक मामले लंबित हैं। 28 राज्यों में से 14 राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं, जिनमें गंभीर मामले भी शामिल हैं।

यह एफिडेविट वरिष्ठ वकील विजय हंसारिया ने दाखिल किया है। वे सांसदों और विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामलों का जल्द निपटारा कराने की मांग वाली जनहित याचिका में कोर्ट की मदद कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, बिहार, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश जैसे अन्य प्रमुख राज्यों में करीब 50 प्रतिशत सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले हैं। हरियाणा के 10 सांसदों और छत्तीसगढ़ के 11 सांसदों में से एक-एक के खिलाफ आपराधिक मामले हैं।

तेलंगाना सीएम पर 89 मामले

एफिडेविट मे बताया गया कि तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी पर 89 केस हैं। इसके बाद पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी पर 29 और कर्नाटक के सीएम डीके शिवकुमार पर 19 मामले हैं। हंसारिया ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट मामलों की निगरानी कर रहे हैं, ताकि सुनवाई जल्द पूरी हो। इसके बावजूद 2018 से सांसदों और विधायकों के खिलाफ पेंडिंग केस की संख्या लगभग उसी स्तर पर बनी हुई है। हाईकोर्ट से जुटाए गए आंकड़ों के मुताबिक, 2025 में 1,243 आपराधिक मामलों का फैसला हुआ। इसी साल 1,050 नए मामले दर्ज किए गए। पूर्व और मौजूदा सांसदों-विधायकों के खिलाफ कुल 4,192 मामले पेंडिंग हैं।

लोकसभा के 170 मामले गंभीर

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की रिपोर्ट का हवाला देते हुए एफिडेविट में कहा गया है कि लोकसभा में 543 सदस्यों में से 251 पर आपराधिक मामले हैं। इनमें 170 मामले गंभीर हैं, जिनमें 5 साल या उससे ज्यादा की सजा हो सकती है। एफिडेविट में कहा गया है कि राज्यसभा में 233 में से 75 यानी 33% सदस्यों पर आपराधिक मामले हैं। इनमें 40 यानी 18% मामले गंभीर हैं, जिनमें 5 साल या उससे ज्यादा की सजा हो सकती है। वरिष्ठ वकील ने उत्तर प्रदेश को छोड़कर विभिन्न हाईकोर्ट की ओर से दाखिल रिपोर्ट का विश्लेषण भी कोर्ट में पेश किया। इलाहाबाद हाईकोर्ट से रिपोर्ट नहीं मिलने के कारण उत्तर प्रदेश का आंकड़ा इसमें शामिल नहीं किया गया।

केरलम के 95% सांसदों पर केस

सेन्हा कलिता के जरिए दाखिल हलफनामे के मुताबिक, केरलम के 20 में से 19 सांसद यानी 95% सांसदों पर आपराधिक आरोप हैं। इनमें 11 सांसद गंभीर मामलों का सामना कर रहे हैं। तेलंगाना के 17 में से 14 सांसदों यानी 82% पर आपराधिक मामले हैं। ओडिशा में 21 में से 16 सांसद यानी 76%, झारखंड में 14 में से 10 यानी 71% और तमिलनाडु में 39 में से 26 यानी 67% सांसदों पर मामले हैं। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, बिहार, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश जैसे अन्य बड़े राज्यों के करीब 50% सांसदों पर आपराधिक मामले हैं। हरियाणा के 10 सांसदों में से एक और छत्तीसगढ़ के 11 सांसदों में से एक पर आपराधिक आरोप हैं। पंजाब में 13 में से 2, असम में 14 में से 3, दिल्ली में 7 में से 3, राजस्थान में 25 में से 4, गुजरात में 25 में से 5 और मध्य प्रदेश में 29 में से 9 सांसदों पर आपराधिक मामले हैं।

विशेष अदालतों में सिर्फ सांसद और विधायकों के केस चलाने की मांग

विजय हंसारिया ने कहा कि सांसदों और विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामलों की सुप्रीम कोर्ट से निगरानी जरूरी है, ताकि इनका जल्द निपटारा हो सके। उन्होंने मांग की कि सांसद-विधायकों के लिए बनाई गई विशेष अदालतें सिर्फ उन्हीं के मामलों की सुनवाई करें। उन्होंने कहा कि इन मामलों की सुनवाई पूरी होने के बाद ही विशेष अदालतों में दूसरे मामलों की सुनवाई शुरू की जाए।

भाजपा आईटी सेल से मालवीय बाहर, केमिस्ट्री प्रोफेसर संभालेंगे

| नई दिल्ली

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने पद संभालने के 209 दिन बाद सोमवार को 65 सदस्यों की कार्यकारिणी का ऐलान कर दिया।

राम माधव को उपाध्यक्ष और स्मृति ईरानी को महासचिव बनाकर वापस लाया गया है। भाजपा आईटी सेल के प्रभारी अमित मालवीय को हटा दिया गया है, दीपक म्हस्के उनकी जगह लेंगे। वहीं, राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे उपाध्यक्ष बनी रहेंगी। राष्ट्रीय संगठन मंत्री बीएल संतोष भी पद पर बने रहेंगे। नितिन नवीन की टीम में 12 महिलाएं हैं। यूपी से दो मुस्लिम चेहरों तारिक मंसूर और बासित अली को शामिल किया गया है। टीम में 13 उपाध्यक्ष, 8 महासचिव, 16 सचिव और 28 सदस्य शामिल हैं।

नितिन नवीन की टीम में राम माधव-स्मृति ईरानी का कमबैक, यूपी से दो मुस्लिम चेहरे, मप्र से 8 नाम

टीम में 12 महिलाएं

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन की नई राष्ट्रीय टीम में 12 महिलाओं को जिम्मेदारी दी गई है। इनमें वसुंधरा राजे, डी. पुरंदेश्वरी, रेखा वर्मा, वर्षाबेन दोशी, डॉ. भारती पवार और डॉ. मधुचंद्र कर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं स्मृति ईरानी को महासचिव बनाया गया है।

एमपी का दबदबा: टीम नितिन में 'नवीन' चेहरों के साथ अनुभव को मिला अवसर, सामाजिक समीकरण भी साधे

नई राष्ट्रीय टीम में मध्य प्रदेश के छह नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देकर उन्होंने कई राजनीतिक और सामाजिक संदेश देने की कोशिश की है। नई टीम में नए और अनुभवी नेताओं का संतुलन दिखाई देता है। टीम नवीन की खास बात यह है कि प्रदेश के पूर्व मंत्री लाल सिंह आर्य और बंशीलाल गुर्जर को छोड़कर बाकी सभी नेताओं को पहली बार राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। इसे पार्टी की नई पीढ़ी को आगे बढ़ाने की रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। भाजपा ने इस बार क्षेत्रीय और सामाजिक संतुलन पर भी विशेष ध्यान दिया है। नई टीम में मालवा-निमाड़ से तीन, ग्वालियर-चंबल से दो, भोपाल संभाग से एक और बुंदेलखंड से एक नेता को शामिल किया गया है। वहीं, सामाजिक प्रतिनिधित्व के लिहाज से दो ओबीसी, एक दलित, एक ब्राह्मण, एक आदिवासी, एक राजपूत और एक वैश्य समाज के नेता को जिम्मेदारी देकर पार्टी ने अपने व्यापक सामाजिक आधार को मजबूत करने का प्रयास किया है।

शॉर्ट सर्किट से हादसा

बंगाल में बीरभूम के होटल में आग, 8 की मौत, 9 झुलसे

■ सावन सोमवार पर तारापीठ मंदिर आए थे

बीरभूम | एजेंसी

पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में तारापीठ मंदिर के पास एक होटल में आग लगने से 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 9 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगने की आशंका है।

घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है। बीरभूम के एसपी विदित राज भुंडेश के मुताबिक, होटल के बाहर से धुआं या आग की लपटें दिखाई नहीं दे रही थीं। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमों ने सीढ़ियों की मदद से 22 लोगों को बाहर निकाला, जबकि 11 लोगों को अस्पताल भेजा गया। होटल संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उन्हें हिरासत में लिया गया है। मामले की जांच के लिए एफएसएल टीम भी मौके पर पहुंचेगी।

एसी में शॉर्ट सर्किट होने पर करंट अचानक बढ़ सकता है। इससे एसी की वायरिंग का इंसुलेशन गर्म होकर जल सकता है और तार आपस में संपर्क में आ सकते हैं।

एक महिला और 2 बच्चे लापता

एक अन्य महिला ने बताया कि वो साउथ 24 परगना से रविवार दोपहर पूजा करने आई थी। उनके साथ उनकी मां और बच्चे थे। उनकी मां रूम नंबर एक में थी। अब उनकी मां और दो बच्चे नहीं मिल रहे हैं। हादसे में बची कोलकाता की महिला ने बताया कि अचानक पूरी होटल में धुआं भर गया। हम सांस नहीं ले पा रहे थे और बचने का रास्ता ढूंढना मुश्किल था। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं।

मप्र में 12 अक्टूबर से टीईटी की परीक्षा, 21 से भरे जाएंगे फॉर्म

| भोपाल

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद मध्य प्रदेश के करीब डेढ़ लाख शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) 2026 की तारीख तय कर दी गई है। कर्मचारी चयन मंडल ने प्राथमिक और माध्यमिक कक्षाओं में पढ़ा रहे शिक्षकों के लिए नियम पुस्तिका जारी कर दी है। 1998 और 2009 के बीच नियुक्त शिक्षकों को पात्रता परीक्षा देनी होगी।

ईसीबी के मुताबिक, परीक्षा 12 अक्टूबर 2026 से आयोजित की जाएगी। परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 21 अगस्त 2026 से शुरू होगी। उम्मीदवार 4 सितंबर 2026 तक आवेदन कर सकेंगे। आवेदन में संशोधन की सुविधा भी दी गई है। उम्मीदवार 21 अगस्त से 9 सितंबर 2026 तक आवेदन में संशोधन कर सकेंगे। परीक्षा में शामिल होने वाले सभी वर्गों के उम्मीदवारों के लिए 1,000 प्रति प्रश्न-पत्र परीक्षा शुल्क निर्धारित किया गया है। ऑनलाइन आवेदन के दौरान उम्मीदवारों को परीक्षा शुल्क के अलावा कियोस्क और पोर्टल शुल्क भी देना होगा।

उद्योग और निवेश के क्षेत्र में मध्य प्रदेश ने बनाई मजबूत पहचान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

| भोपाल

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि मध्य प्रदेश ने उद्योग और निवेश के क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। निवेशकों का बढ़ता भरोसा इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश में उद्योगों के लिए अनुकूल माहौल तैयार हुआ है।

यही वजह है कि बड़ी संख्या में निवेशक मध्य प्रदेश में निवेश के लिए आगे आ रहे हैं। मुख्यमंत्री सोमवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय औद्योगिक कॉरिडोर विकास एवं कार्यान्वयन ट्रस्ट (एनआईसीडीआईटी) की एपेक्स मॉनिटरिंग अथॉरिटी की तीसरी बैठक में शामिल हुए। बैठक में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक कुमार लाहिरी सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्री, उद्योग मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में औद्योगिक विकास को नई दिशा मिली है। मध्य प्रदेश भी इसी दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार ने निवेशकों के लिए बेहतर माहौल तैयार किया है और उद्योग जगत का विश्वास जीतने में सफलता हासिल की है।

सिंधिया राजपरिवार संपत्ति विवाद फिर कानूनी अड़चनों में उलझा

| ग्वालियर

सिंधिया राजपरिवार की अरबों की संपत्ति के बंटवारे को लेकर आपसी सहमति से तैयार हुआ समझौता प्रस्ताव (राजीनामा) एक बार फिर कानूनी अड़चनों में फंस गया है। अतिरिक्त सत्र न्यायालय में सोमवार को इस बहुचर्चित संपत्ति विवाद के समझौते पर सुनवाई हुई है।

समझौते पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य की बड़ी बुआ दिवंगत पद्मावती राजे की बेटी प्रतिमा देवी राना ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई थी।

बड़ी बुआ की बेटी ने दर्ज कराई आपत्ति, ज्योतिरादित्य, वसुंधरा, यशोधरा के जवाब हुए पेश

इस पर ज्योतिरादित्य सिंधिया, उनकी बुआ पूर्व सीएम राजस्थान वसुंधरा, एमपी की पूर्व मंत्री यशोधरा राजे के जवाब आवेदन के रूप में पहुंचे हैं।

पहले घोषित 'एक्स पार्टी' अब हक के लिए पहुंचीं कोर्ट

वसुंधरा राजे, उषा राजे और यशोधरा राजे ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से पैतृक संपत्ति में अपना हिस्सा पाने के लिए सिविल सूट दायर किया था। लंबे कानूनी विवाद के बाद हाल ही में सभी पक्षों ने आपसी सहमति से एक राजीनामा तैयार कर कोर्ट में पेश किया था। मूल दावे में दिवंगत बड़ी बुआ पद्मावती राजे की दोनों बेटियों कनिका देवी सिंह और प्रतिमा देवी राना को पक्षकार बनाया था।

झारखंड सरकार ने रद्द की जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा

| रांची

जेपीएससी के बाद अब जेएसएससी-सीजीएल के एग्जाम को भी रद्द कर दिया गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार रात मीडिया को इसकी जानकारी दी। सीएम ने मंत्रियों के साथ 4 घंटे तक चली बैठक के बाद यह फैसला लिया गया है। सीएम सोरेन ने कहा कि एसआईटी और सीआईडी दोनों की जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। चूंकि जांच चल रही है, इसलिए हर बात खुले तौर पर बताना संभव नहीं है।

2014 से अब तक सभी परीक्षाओं की होगी जांच

इसमें कई कंपनियों का एक जटिल और आपस में जुड़ा हुआ नेटवर्क शामिल है, जिन्होंने अलग-अलग समय पर यहां काम किया है। 2014 से लेकर अब तक आयोजित सभी परीक्षाओं की जांच सीआईडी से कराई जाएगी। सीएम ने कहा कि युवाओं की सबसे बड़ी और अहम मांग जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा से जुड़ी है। हम एक रिटायर्ड जज की देखरेख में इसकी पूरी जांच कराएंगे।

प्रयागराज में बाढ़, घरों में 3 फीट पानी गलियों में नावें, ओडिशा में स्कूल डूबा

नई दिल्ली | एजेंसी

यूपी के कई शहरों में लगातार बारिश से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। प्रयागराज की कॉलोनियों में 3 से 4 फीट तक पानी भरने से कारें-बाइकें डूब गई हैं। कई घरों के ग्राउंड फ्लोर डूब गए हैं।

लोग पहली मंजिल पर रहने को मजबूर हैं। पुलिस व एनडीआरएफ की टीमें नावों से लोगों का रेस्क्यू किया। वहीं, ओडिशा के केंद्रापाड़ा में 312 छात्र और 10 शिक्षक दो दिन से स्कूल में फंसे हैं। कुलसाही गांव के सरकारी एससी/एसटी आवासीय आश्रम स्कूल का ग्राउंड फ्लोर ब्राह्मणी नदी के पानी में डूब गया। स्कूल चारों तरफ से करीब 10 फीट पानी से घिरा है और तेज बहाव के कारण रेस्क्यू टीम वहां नहीं पहुंच सकी। वहीं, हिमाचल प्रदेश में इस मानसून 187 लोगों की मौत हो चुकी है। 16 अगस्त तक 79 मौतें बाढ़, लैंडस्लाइड, डूबने और करंट जैसी प्राकृतिक आपदाओं में हुईं।

ओडिशा में बारिश से दीवार गिरी, दादी-पोते की मौत

ओडिशा के बालासोर जिले में लगातार बारिश के बीच पड़ोसी के घर की दीवार गिरने से दादी और पोते की मौत हो गई। हादसा रविवार रात जलेश्वर ब्लॉक के कपासुड़ा गांव में हुआ। दीवार उनके एस्बेस्टस वाले घर की छत पर गिर गई, जिससे परिवार मलबे में दब गया। मृतकों की पहचान 65 साल की राधिका जेना और उनके 18 साल के पोते ज्योति प्रकाश स्वैन के रूप में हुई है। उनकी पोती स्मृतिलेखा स्वैन गंभीर रूप से घायल हैं और अस्पताल में इलाज चल रहा है।

हवाई किराए को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा- 7 दिन में फाइनल करें किराया नियम

अगर एयरलाइंस नहीं मानें तो खड़े कर दें प्लेन

नई दिल्ली | एजेंसी

केंद्र सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि भारतीय वायुयान अधिनियम, 2024 के तहत नियम बनाने का काम तेज कर दिया गया है। इन नियमों का मकसद भारत के विमानन क्षेत्र को आधुनिक बनाना है और इन्हें तीन हफ्ते में अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

बेंच ने कहा कि इसे सात दिन के भीतर प्रकाशित कीजिए। अगर एयरलाइंस पालन नहीं कर रही हैं तो उन्हें जमीन पर खड़ा कर दीजिए। सरकार ने जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच के सामने नियमों का ड्राफ्ट सीलबंद लिफाफे में रखा। केंद्र ने बताया कि ड्राफ्ट पर कुछ अंतिम चर्चा चल रही है।

सरकार ने कहा- जल्द पूरी करेंगे प्रक्रिया

कोर्ट में सरकार का पक्ष एडिशनल सॉलिसिटर जनरल अनिल कौशिक ने रखा। उन्होंने बताया कि नियम बनाने की प्रोसेस 3 हफ्ते में पूरी हो जाएगी। उन्होंने कोर्ट में ड्राफ्ट नियम दिखाए। बेंच ने कहा कि एक व्यवस्था सुझाई गई है, लेकिन नियामक को लेकर हम निश्चित नहीं हैं। बेंच ने कहा कि केंद्र सरकार ने ड्राफ्ट नियमों को फाइनल करने के लिए 3 हफ्ते का समय मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 7 सितंबर को तय की गई।

याचिका में मांग- फ्री रेगुलेटरी अथॉरिटी बनाई जाए

हवाई किराया नियमों को लेकर याचिका सोशल एक्टिविस्ट एस लक्ष्मीनारायणन ने दायर की थी। उन्होंने पूरे सिविल एविएशन सेक्टर में ट्रांसपेरेंसी और यात्रियों की सुरक्षा के लिए मजबूत और फ्री रेगुलेटरी अथॉरिटी बनाने की मांग की है।

कोर्ट ने जुलाई में नियम बताने कहा था

सुप्रीम कोर्ट ने 13 जुलाई को सरकार से भारतीय वायुयान अधिनियम 2024 के तहत बनाए गए नियम उसके सामने रखने को कहा था। कोर्ट ने कहा था कि नियमों को सीलबंद लिफाफे में पेश किया जाए, चाहे उन्हें संसद के सामने रखा गया हो या नहीं।

लॉटरी के साथ बदला चुनावी गणित, दावेदारों की धड़कनें तेज

निगम से लेकर 10 पालिकाओं तक आरक्षण की तस्वीर साफ, कई दावेदारों के समीकरण बिगड़े तो नए चेहरों को मौक

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा(महेन्द्र नागौरी) नगर निकाय चुनाव 2026 की तैयारियों के बीच सोमवार को हुई लॉटरी प्रक्रिया ने जिले की सियासत में हलचल बढ़ा दी है। नगर निगम भीलवाड़ा सहित जिले की 10 नगर पालिकाओं की लॉटरी के साथ ही संभावित प्रत्याशियों के राजनीतिक समीकरण बदलने लगे हैं। जिन सीटों पर लंबे समय से दावेदारी की तैयारी चल रही थी, वहां आरक्षण की स्थिति बदलने से कई नेताओं की उम्मीदों पर पानी फिर सकता है, जबकि नए चेहरों के लिए चुनावी मैदान खुलने की संभावना है।

कलेक्ट्रेट सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर जसमीत सिंह संधू की मौजूदगी में लॉटरी प्रक्रिया संपन्न हुई। सबसे पहले नगर निगम भीलवाड़ा और इसके बाद आसींद, गुलाबपुरा, गंगापुर, हमीरगढ़, बनेड़ा, शाहपुरा, जहाजपुर, बीगोद, मांडलगढ़ और बिजोलिया नगर पालिकाओं की लॉटरी निकाली गई। प्रक्रिया के

दौरान विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी ने इसे प्रशासनिक प्रक्रिया के साथ-साथ राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण बना दिया।

आरक्षण ने खोले नए सियासी रास्ते:-

लॉटरी के बाद अब राजनीतिक दलों में संभावित प्रत्याशियों को लेकर मंथन तेज होने की उम्मीद है। खासकर नगर निगम और प्रमुख नगर पालिकाओं में आरक्षण की स्थिति के अनुसार भाजपा और कांग्रेस को अपनी रणनीति नए सिरे से तैयार करनी होगी। कई वार्डों में पुराने दावेदार यदि आरक्षण के फेर में बाहर होते हैं तो पार्टियों के सामने नए और प्रभावशाली चेहरों की तलाश चुनौती बनेगी।

स्थानीय स्तर पर लंबे समय से चुनाव की तैयारी कर रहे नेताओं और कार्यकर्ताओं की निगाहें अब टिकट वितरण पर टिक गई हैं। आरक्षण की तस्वीर सामने आने के बाद दावेदारों ने अपने राजनीतिक संपर्क मजबूत करने शुरू कर दिए हैं। वहीं पार्टियों के भीतर टिकट को लेकर खींचतान बढ़ने के भी संकेत हैं।

भाजपा-कांग्रेस के लिए परीक्षा का दौर:-

निकाय चुनाव दोनों प्रमुख दलों के लिए स्थानीय पकड़ परखने का बड़ा मौका होंगे। सत्ता पक्ष जहां सरकार की उपलब्धियों और विकास कार्यों को मुद्दा बनाकर मैदान में उतरने की तैयारी करेगा, वहीं विपक्ष स्थानीय समस्याओं, सड़क, पानी, सफाई, अतिक्रमण और शहर के विकास जैसे मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की कोशिश करेगा।

लॉटरी के बाद सबसे बड़ा सवाल अब यही है कि राजनीतिक दल किस चेहरे पर दांव लगाते हैं। कई जगह टिकट के लिए पार्टी के पुराने कार्यकर्ताओं और नए दावेदारों के बीच मुकाबला देखने को मिल सकता है। ऐसे में प्रत्याशी चयन दोनों दलों के लिए आसान नहीं रहने वाला।

प्रशासन ने पारदर्शिता पर दिया जोर

जिला निर्वाचन अधिकारी ने पूरी प्रक्रिया को निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने की बात कही। प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई। उप जिला निर्वाचन अधिकारी हरितिमा और एडीएम सिटी प्रतिभा देवटिया सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

लॉटरी प्रक्रिया पूरी होने के साथ अब चुनावी बिसात बिछ चुकी है। आने वाले दिनों में टिकट के दावेदारों की सक्रियता, राजनीतिक बैठकों और गुटीय समीकरणों के बीच भीलवाड़ा जिले की निकाय राजनीति और अधिक गरमाने के आसार हैं।

नगर निकाय और पंचायती राज चुनाव-2026 : 24 घंटे निगरानी, कलेक्ट्रेट में कंट्रोल रूम शुरू

शिकायतों के पंजीकरण से लेकर आचार संहिता की निगरानी तक संभालेगा जिम्मेदारी 7 हेल्पलाइन 01482-233032

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / नगर पालिका एवं पंचायती राज आम चुनाव-2026 को लेकर जिला प्रशासन ने चुनावी व्यवस्थाओं को मजबूत करते हुए कलेक्ट्रेट के कमरा नंबर 62 में बहुउद्देशीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। इसका उद्देश्य मतदाताओं की सुविधा, शिकायतों के त्वरित पंजीकरण एवं निराकरण के साथ आदर्श आचार संहिता की प्रभावी पालना सुनिश्चित करना है। नियंत्रण कक्ष का दूरभाष नंबर 01482-233032 है। यह 24म7 घंटे तत्काल प्रभाव से सक्रिय रहेगा और तीन पारियों में संचालित किया जाएगा। अधिकारी-कर्मचारियों की तैनाती नियंत्रण कक्ष के लिए सहायक कलेक्टर को प्रभारी अधिकारी बनाया गया है। विजयपाल वर्मा, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, सुवाणा को सहायक प्रभारी अधिकारी तथा आशुतोष आचार्य, संस्थापन अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक मुख्यालय को प्रभारी कर्मचारी नियुक्त किया गया है। प्रशासन ने नियुक्त अधिकारी-कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से ड्यूटी संभालने के निर्देश दिए हैं। चुनाव के दौरान किसी भी शिकायत, समस्या या आचार संहिता से जुड़ी सूचना के लिए अब जिला प्रशासन का कंट्रोल रूम चौबीसों घंटे सक्रिय रहेगा।

महिला आईटीआई में प्रवेश का आखिरी मौका, 20 अगस्त तक आवेदन

सीमित सीटें खाली, छह रोजगारपरक ट्रेड में प्रवेश; महिलाओं से जल्द आवेदन की अपील

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / रोजगारपरक प्रशिक्षण हासिल कर क रियर बनाने की इच्छुक छात्राओं एवं महिलाओं के लिए राजकीय महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, पांसल चौराहा के पास, में प्रवेश का अंतिम अवसर है। सत्र 2026-27 की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए 20 अगस्त को दोपहर 1 बजे तक ई-मित्र के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किए जा सकेंगे। संस्थान अधीक्षक रचना अग्रवाल ने बताया कि आठवीं अथवा सेकेंडरी उत्तीर्ण छात्राएं एवं महिलाएं रिक्त सीटों पर आवेदन कर सकती हैं। संस्थान में कॉस्मेटोलॉजी, कंप्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट, फैशन डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी, स्टेनोग्राफर एंड सेक्रेटियल असिस्टेंट (हिंदी), इलेक्ट्रॉनिक्स मेकेनिक तथा स्विंग टेक्नोलॉजी ट्रेड में सीटें उपलब्ध हैं। आवेदन की हार्ड कॉपी दस्तावेजों सहित 20 अगस्त दोपहर 1 बजे तक संस्थान में जमा करानी होगी। 21 अगस्त को सुबह 11 बजे मेरिट के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। महिलाओं के लिए प्रशिक्षण शुल्क भी समाप्त किया गया है। आवेदन राजस्थान सरकार के एसएसओ पोर्टल या ई-मित्र से किया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए 9413248917, 9251612108, 9413945580 एवं 8824190287 पर संपर्क किया जा सकता है।

ब्यावर नगर परिषद के 60 वार्डों की निकली लॉटरी, 36 सामान्य और 12-12 ओबीसी-एससी के हिस्से

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। नगर निकाय चुनाव-2026 को लेकर ब्यावर नगर परिषद के 60 वार्डों में आरक्षण निर्धारण के लिए सोमवार को जिला कलेक्टर सभागार में लॉटरी निकाली गई। जिला कलेक्टर कमल राम मीना की मौजूदगी में हुई प्रक्रिया के बाद वार्डवार आरक्षण की स्थिति साफ हो गई। वहीं सभापति पद इस बार अनारक्षित (ओपन) रखा गया है। ऐसे में किसी भी वर्ग का पुरुष या महिला सभापति पद पर दावेदारी कर सकता है। लॉटरी के अनुसार सामान्य वर्ग के 24 वार्ड और सामान्य महिला के 12 वार्ड आरक्षित किए गए हैं। इस तरह सामान्य वर्ग के कुल 36 वार्ड निर्धारित हुए हैं। वहीं ओबीसी के 8 और ओबीसी महिला के 4 वार्ड सहित

कुल 12 वार्ड ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षित हैं। इसी प्रकार एससी वर्ग के 8 और एससी महिला के 4 वार्ड आरक्षित किए गए हैं। एससी वर्ग के लिए भी कुल 12 वार्ड निर्धारित हुए हैं।

वार्डवार आरक्षण की स्थिति

वार्ड 1 सामान्य महिला, 2 ओबीसी, 3 सामान्य महिला, 4 सामान्य, 5 सामान्य, 6 ओबीसी महिला, 7 एससी, 8 ओबीसी महिला, 9 सामान्य, 10 सामान्य, 11 ओबीसी, 12 ओबीसी, 13 सामान्य महिला, 14 सामान्य, 15 ओबीसी महिला, 16 एससी महिला, 17 ओबीसी, 18 सामान्य महिला, 19 सामान्य, 20 सामान्य, 21 सामान्य महिला, 22 एससी, 23 सामान्य, 24 एससी महिला, 25 एससी महिला, 26 सामान्य, 27 सामान्य महिला, 28 सामान्य महिला, 29 सामान्य, 30 एससी, 31 एससी, 32 एससी महिला, 33 सामान्य, 34 सामान्य, 35 सामान्य, 36 ओबीसी, 37 एससी, 38 सामान्य, 39 सामान्य, 40 सामान्य, 41 सामान्य, 42 सामान्य, 43 सामान्य महिला, 44 ओबीसी, 45 ओबीसी महिला, 46 ओबीसी, 47 सामान्य, 48 ओबीसी, 49 सामान्य, 50 सामान्य महिला, 51 सामान्य, 52 सामान्य, 53 एससी, 54 सामान्य महिला, 55 सामान्य, 56 एससी, 57 सामान्य महिला, 58 सामान्य, 59 सामान्य और 60 एससी वार्ड आरक्षित किया गया है। लॉटरी के परिणाम के साथ ही ब्यावर नगर परिषद चुनाव को लेकर संभावित प्रत्याशियों की सक्रियता बढ़ने की संभावना है। आरक्षण बदलने से कई वार्डों में दावेदारों के समीकरण प्रभावित होंगे, जबकि सभापति पद ओपन होने से अध्यक्ष पद के लिए भी सभी वर्गों के दावेदार मैदान में उतर सकेंगे।

जवाजा में स्वास्थ्य सेवाओं को मिली नई सौगात, CHC-ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट के भवनों का लोकार्पण

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। जवाजा में सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) एवं ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट (BPHU) के नवनिर्मित भवनों का लोकार्पण किया गया। नए भवन शुरू होने से क्षेत्रवासियों को बेहतर चिकित्सा एवं आधुनिक जांच सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होंगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष हनुमान सिंह राठौड़ रहे, जबकि अध्यक्षता ब्यावर विधायक शंकर सिंह रावत ने की। विशिष्ट अतिथि निवर्तमान प्रधान पंचायत समिति जवाजा गणपत सिंह रावत रहे। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत देवता की प्रशासक पानी देवी एवं ग्राम पंचायत जवाजा की प्रशासक सुमन सोनी भी मौजूद रहीं। BPHU के माध्यम से ब्लॉक स्तर पर आधुनिक जांच सुविधाओं के साथ सेंट्रल इंटीग्रेटेड लैब की सुविधा उपलब्ध कराई

जाएगी। इससे ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को गुणवत्तापूर्ण जांच के लिए बाहर जाने की आवश्यकता कम होगी। वहीं CHC के नए भवन में मरीजों के लिए चिकित्सा सुविधाओं को बेहतर तरीके से संचालित किया जा सकेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय गहलोत ने कहा कि नए भवनों के लोकार्पण से जवाजा क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती मिलेगी। अतिरिक्त CMHO डॉ. लोकेश कुमावत ने बताया कि CHC को जल्द ही NQAS स्तर से प्रमाणित करवाने के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएंगे। मुख्य अतिथि हनुमान सिंह राठौड़ ने चिकित्सकों एवं चिकित्सा कर्मचारियों से निष्ठा और सेवाभाव के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मरीजों को बेहतर उपचार स्थानीय स्तर पर ही मिले, ताकि उन्हें उच्च स्तरीय इलाज के लिए बाहर नहीं जाना पड़े। विधायक शंकर सिंह रावत ने कहा कि नवीन भवन राज्य सरकार की आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता का परिणाम है। इससे जवाजा एवं आसपास के क्षेत्र के लोगों को चिकित्सा और जांच सेवाओं का लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में डॉ. अनुज पिंगोलिया, डॉ. रामप्रकाश शर्मा, चिकित्सा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

शिक्षा, नवाचार और सामाजिक सेवा में योगदान के लिए डॉ. राजेन्द्र कच्छावा सम्मानित

स्वतंत्रता दिवस के जिला स्तरीय समारोह में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर एवं जिला कलेक्टर ने किया सम्मान

स्मार्ट हलचल

कोटा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शिक्षा, तकनीकी नवाचार एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (IIIT) कोटा के कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग में कार्यरत डॉ. राजेन्द्र कच्छावा को जिला स्तरीय समारोह में सम्मानित किया गया। उन्हें शिक्षा मंत्री मदन दिलावर एवं जिला कलेक्टर, कोटा द्वारा सम्मान प्रदान किया गया। डॉ. कच्छावा शिक्षा, तकनीकी नवाचार, विद्यार्थियों के मार्गदर्शन, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उन्होंने विद्यार्थियों के कौशल विकास, कैरियर काउंसलिंग, तकनीकी जागरूकता, ऑनलाइन मेंटरिंग और निःशुल्क प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं को नई तकनीकों एवं रोजगार के अवसरों से जोड़ने का कार्य किया है। AI, डेटा साइंस एवं उभरती तकनीकों के क्षेत्र में विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के साथ उन्होंने AI आधारित कृषि तकनीक के विकास पर भी कार्य किया है। उनके शोध कार्य अंतरराष्ट्रीय शोध जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। उनके डिजाइन पेटेंट, शोध-पत्र, पुस्तकें एवं पुस्तक अध्याय भी प्रकाशित हो चुके हैं। डॉ. कच्छावा विद्यार्थियों को،ह्व Startup / Smart India Hackathon जैसी गतिविधियों से जोड़कर उनमें नवाचार एवं समस्या समाधान की क्षमता विकसित करने के लिए प्रयासरत हैं। वे Microsoft Certified Trainer के रूप में तकनीकी प्रशिक्षण भी प्रदान कर चुके हैं। इसके अलावा स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, रक्तदान जागरूकता और विभिन्न सामाजिक आउटरीच कार्यक्रमों में भी उनका योगदान रहा है। सम्मान प्राप्त करने पर डॉ. कच्छावा ने राजस्थान सरकार, शिक्षा मंत्री, जिला प्रशासन कोटा एवं IIIT Kota के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें युवाओं, शिक्षा और समाज के लिए और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा देगा।

42.600 किलो डोडा पोस्त के साथ तस्कर गिरफ्तार, अल्टो कार जब्त

ब्यावर सदर पुलिस की एक माह में तीसरी बड़ी कार्रवाई, नाकाबंदी तोड़कर भागने का किया प्रयास

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ ब्यावर सदर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 42.600 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद किया। पुलिस ने मादक पदार्थ के परिवहन में प्रयुक्त अल्टो के-10 कार RJ06CG4418 को जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस थाना ब्यावर सदर की एक माह में यह तीसरी कार्रवाई है। पुलिस के अनुसार 15 अगस्त को आरपीएस (प्रोबे.) अनिल पंवार को सूचना मिली थी कि सिल्वर रंग की अल्टो के-10 कार में भारी मात्रा में डोडा पोस्त भरकर ब्यावर खास से

रूपनगर की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने रूपनगर के पास नाकाबंदी की। नाकाबंदी के दौरान ब्यावर खास की तरफ से एक सिल्वर रंग की कार आती दिखाई दी। पुलिस ने कार को रोकने का प्रयास किया तो चालक ने नाकाबंदी तोड़कर भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने पीछा कर कार को रोक लिया। चालक के संतोषप्रद जवाब नहीं देने पर कार की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कार से तीन प्लास्टिक के कट्टे बरामद हुए। जांच में कट्टों में डोडा पोस्त पाया गया। वजन करने पर कुल 42.600 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद हुआ। पुलिस ने मादक पदार्थ जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया तथा तस्करी में प्रयुक्त कार भी जब्त कर ली। गिरफ्तार आरोपी की पहचान भजन लाल पुत्र रामस्वरूप सियाग, उम्र 24 वर्ष, निवासी गुड़ा बिश्नोईयान, पुलिस थाना कुड़ी, जिला जोधपुर आयुक्तालय के रूप में हुई है। पुलिस आरोपी से मादक पदार्थ की तस्करी के संबंध में पूछताछ कर रही है। कार्रवाई महानिरीक्षक अजमेर रेंज डॉ. रवि सभरवाल, जिला पुलिस अधीक्षक ब्यावर रतन सिंह के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अनुकृति उज्जैनिया और वृत्ताधिकारी ब्यावर राजेश कसाना के निकटतम सुपरविजन में की गई। कार्रवाई में थानाधिकारी गजराज, आरपीएस (प्रोबे.) अनिल पंवार, हेड कांस्टेबल रामनिवास, हेड कांस्टेबल देशराज, कांस्टेबल मांगीलाल, कांस्टेबल छोटल सिंह एवं कांस्टेबल हरेन्द्र शामिल रहे।

भीलवाड़ा में पहली बार जुटेंगे देश नेपाल के 350 से अधिक प्रतिनिधि

वनवासी कल्याण आश्रम की 6 दिवसीय अखिल भारतीय बैठक 30 सितंबर से 5 अक्टूबर तक 7 हरणी महादेव के पास रामेश्वरम भवन में होगा आयोजन

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (महेन्द्र नागौरी) अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम की 6 दिवसीय अखिल भारतीय बैठक पहली बार भीलवाड़ा में आयोजित होने जा रही है। 30 सितंबर से 5 अक्टूबर तक होने वाली इस महत्वपूर्ण बैठक में देश के विभिन्न राज्यों के 40 से अधिक प्रांतों तथा नेपाल राष्ट्र से 350 से अधिक प्रतिनिधि शामिल होंगे। राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री भगवान सहाय ने भीलवाड़ा महानगर की बैठक में आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में संगठन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर मंथन किया जाएगा।

रामेश्वरम भवन में होगा आयोजन...

प्रांत नगरीय प्रमुख रामप्रकाश अग्रवाल ने बताया कि आयोजन की व्यवस्थाओं के लिए ज्ञानचंद जैन को संयोजक नियुक्त किया गया है। जिला उपाध्यक्ष कैलाश सोनी ने बताया कि बैठक हरणी महादेव के पास स्थित रामेश्वरम भवन में होगी। आयोजन को लेकर विभिन्न समितियों का गठन कर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जिला सचिव कैलाश नंदावत ने बताया कि तैयारियों को लेकर आयोजित महानगर इकाई की विस्तृत बैठक में जिला, महानगर एवं महिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में आयोजन को सफल बनाने के लिए व्यवस्थाओं की रूपरेखा तय की गई। पहली बार भीलवाड़ा में होने वाला यह राष्ट्रीय स्तर का आयोजन शहर के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जहां छह दिनों तक देशभर के प्रतिनिधियों का जमावड़ा रहेगा।

मुझरास टोल प्लाजा बना 'गौशाला', हाईवे पर मवेशियों का जमावड़ा हादसे का खतरा

पहले भी प्रकाशित हो चुकी है समस्या की खबर, छह महीने बाद भी हालात जस के तस; टोल वसूली पर सवाल, सुरक्षा व्यवस्था पर उठी उंगली...

स्मार्ट हलचल

गुरला। राजसमंद-भीलवाड़ा हाईवे पर स्थित मुझरास टोल प्लाजा के पास हाईवे पर मवेशियों का जमावड़ा वाहन चालकों के लिए लगातार खतरा बना हुआ है। सोमवार को सामने आई तस्वीरों में हाईवे के बीचों-बीच 3-4 गाय-बैल घूमते और आपस में लड़ते नजर आए। इसी दौरान पीछे से तेज गति से ट्रक, कार और दोपहिया वाहन गुजरते दिखाई दिए। ऐसे हालात में किसी भी समय गंभीर हादसा होने की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार मुझरास टोल प्लाजा और आसपास के हाईवे क्षेत्र में मवेशियों की समस्या नई नहीं है। इस संबंध में पहले भी समाचार प्रकाशित हो चुका है, जिसमें टोल प्लाजा पर सुरक्षा इंतजामों की कमी और सुबह से शाम

तक सड़क पर मवेशियों के जमावड़े का मुद्दा उठाया गया था। ग्रामीणों का कहना है कि खबर प्रकाशित होने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया।

छह महीने बाद भी स्थिति जस की तस

ग्रामीणों के अनुसार गुरला गांव में राघव होटल और बड़ी स्कूल के आसपास भी मवेशी आए दिन सड़क पर बैठे या खड़े रहते हैं। इससे वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगाने पड़ते हैं और दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। रात के समय सड़क पर बैठे मवेशी दूर से दिखाई नहीं देने के कारण स्थिति और गंभीर हो जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि करीब छह महीने पहले भी इस समस्या को लेकर खबर प्रकाशित हुई थी, लेकिन आज भी हाईवे पर वही स्थिति दिखाई दे रही है। सोमवार को सामने आई तस्वीरें इस बात का उदाहरण हैं कि समस्या पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

पेट्रोलिंग और कैटल कैचर व्यवस्था पर सवाल

ग्रामीणों का आरोप है कि टोल प्लाजा संचालक की जिम्मेदारी वाले क्षेत्र में सड़क पर घूमने वाले मवेशियों को हटाने के लिए नियमित पेट्रोलिंग और कैटल कैचर जैसी व्यवस्था प्रभावी रूप से नजर नहीं आती। इसके अलावा मवेशियों के कारण संभावित हादसों को रोकने के लिए पर्याप्त चेतावनी संकेत और सुरक्षा इंतजाम भी दिखाई नहीं देते। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि सड़क पर मवेशियों की मौजूदगी की सूचना के बावजूद उन्हें हटाने और यातायात को सुरक्षित रखने के लिए तत्काल कदम उठाए जाने चाहिए।

'टोल वसूली पूरी, सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल'

स्थानीय वाहन चालकों का कहना है कि टोल प्लाजा पर वाहन चालकों से नियमित रूप से टोल शुल्क लिया जाता है, लेकिन हाईवे पर यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े ऐसे बुनियादी इंतजामों की स्थिति चिंताजनक है। उनका कहना है कि यदि सड़क पर मवेशियों के कारण कोई बड़ा हादसा होता है तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी, यह स्पष्ट किया जाना चाहिए। एक स्थानीय चालक ने कहा कि समस्या को लेकर खबर पहले ही प्रकाशित हो चुकी है और तस्वीरें भी सामने आ गई हैं, इसके बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि गुरला स्कूल के बच्चों का भी इसी मार्ग से आवागमन होता है। ऐसे में किसी बच्चे के साथ हादसा होना गंभीर चिंता का विषय है।

हादसे से पहले कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों ने नेशनल हाईवे से संबंधित अधिकारियों और टोल प्लाजा प्रबंधन से मांग की है कि हाईवे पर घूम रहे मवेशियों को तत्काल हटाने की व्यवस्था की जाए। साथ ही नियमित पेट्रोलिंग, कैटल कैचर, पर्याप्त चेतावनी संकेत और अन्य जरूरी सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन और संबंधित एजेंसियों को किसी बड़े हादसे का इंतजार करने के बजाय समय रहते प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि वाहन चालकों, राहगीरों और स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

गणेश महोत्सव की समरसता की तैयारीया जोरों पर

इस बार 12 दिवसीय महोत्सव के तहत 500 गणपति प्रतिमाएं बनाने की तैयारी

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा श्री गणेश उत्सव प्रबंध एवं सेवा समिति के तत्वाधान गणेश महोत्सव की समरसता की तैयारीया जोरो से शुरू कर दी है समिति मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि 14 सितंबर सोमवार से 25 सितंबर शुक्रवार तक 12 दिवसीय मनाया जाने वाले गणेश महोत्सव के लिए मूर्ति निर्माण का कार्य समिति ने जोर शोर से प्रारंभ कर दिया है इंदौर से आए मूर्तिकारों ने इस बार भी इको फ्रेंडली प्रतिमाए तैयार की जा रही है जिसमें चीनी मिट्टी, जूट एवं प्राकृतिक कलर से गणपति प्रतिमाओं को आकर्षक रूप से अंतिम रूप दिया जा रहा है बाल गंगाधर तिलक द्वारा शुरू किया गया गणेश महोत्सव की समरसता के तहत एक ही मंच पर सभी धर्म के लोगों द्वारा इस बार 12 दिवसीय उत्सव मनाया जाएगा,गणेश महोत्सव विगत वर्षों 10 या 11 दिवसीय ही होता है समिति कोषाध्यक्ष सुभाष अग्रवाल ने बताया कि समिति द्वारा गणपति की प्रतिमाओं का पंजीयन 15 अगस्त से प्रारंभ कर दिया गया है गणपति की प्रतिमाएं अपना घर वृद्धाश्रम, आरसी व्यास कॉलोनी में अपना पंजीयन कराकर गणपति की प्रतिमाएं बुक कर सकेंगे

टोंक जेल में बंद कैदी की मौत के बाद परिजनों का हंगामा-कलेक्ट्रेट पर धरना,

जेल अधीक्षक को सस्पेंड करने,मौत की जांच और बंदियों से मारपीट के आरोपों पर कार्रवाई की मांग

स्मार्ट हलचल

टोंक । टोंक जिला कारागार (जेल) में बंद कैदी की बुधवार, 12 अगस्त को जयपुर केएसएमएस अस्पताल में मौत के बाद सोमवार को परिजन एवं ग्रामीण आक्रोशित हो गए। परिजनों ने जेल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जेल अधीक्षक को सस्पेंड करने, कैदी की मौत की निष्पक्ष जांच कराने तथा जेल में बंदियों के साथ कथित मारपीट के आरोपों पर कार्रवाई की मांग को लेकर टोंक कलेक्ट्रेट परिसर में धरना-प्रदर्शन किया।

गांधी पार्क से कलेक्ट्रेट पहुंचे परिजन

मृतक कैदी गणदेव गुर्जर, निवासी पांवडेरा गांव, थाना चौथ का बरवाड़ा, जिला सवाई माधोपुर, करीब छह महीने से टोंक जिला जेल में बंद था। परिजनों के अनुसार वह जानलेवा हमले एवं एससी-एसटी एक्ट से जुड़े मामले में जेल में निरुद्ध था।परिजन एवं ग्रामीण सुबह करीब 11 बजे टोंक के गांधी पार्क

पहुंचे और करीब एक घंटे तक धरना दिया। इसके बाद दोपहर करीब डेढ़ बजे सभी लोग कलेक्ट्रेट पहुंचे और परिसर में बैठकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। करीब डेढ़ घंटे बाद एडीएम विनोद कुमार मीणा, एसडीएम टोंक सीमा खेतान तथा डीएसपी मृत्युंजय मिश्रा पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से बातचीत की।

कलेक्टर से मुलाकात नहीं हो सकी

एडीएम विनोद कुमार मीणा ने प्रदर्शनकारियों को बताया कि कुछ देर बाद नगर निकायों की लॉटरी निकलने वाली है, जिसके चलते कलेक्टर टीना डाबी व्यस्त हैं। उन्होंने मंगलवार को कलेक्टर से प्रदर्शनकारियों की मुलाकात कराने और बंदियों के इलाज की व्यवस्था को लेकर आश्वासन दिया। इसके बाद परिजनों एवं ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट परिसर खाली कर दिया और वापस गांधी पार्क चले गए।

छह महीने से जेल में बंद था मृतक कैदी गणदेव गुर्जर

परिजनों के अनुसार गणदेव गुर्जर करीब छह महीने से टोंक जिला जेल में बंद था। बीते दिनों मंगलवार देर रात उसकी तबीयत बिगड़ने पर उसने सीने में दर्द की शिकायत की। बुधवार सुबह उसे जिला सआदत अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे जयपुर रेफर कर दिया।जयपुर के एसएमएस अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

परिजनों ने लगाया जेल प्रशासन पर हत्या का आरोप

गणदेव गुर्जर की मौत के बाद परिजनों ने जयपुर अस्पताल में ही हंगामा करते हुए जेल प्रशासन पर उसकी हत्या का आरोप लगाया। परिजनों का कहना है कि यदि रात में ही उसकी तबीयत बिगड़ गई थी तो उसे तत्काल अस्पताल क्यों नहीं भेजा गया। परिजनों ने जेल अधीक्षक को सस्पेंड करने तथा पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

बंदियों से मारपीट और भूख हड़ताल का भी आरोप

प्रदर्शन के दौरान परिजनों ने जेल में बंद अन्य बंदियों से कथित मारपीट किए जाने तथा भूख हड़ताल के आरोप भी लगाए। उनका आरोप था कि गणदेव गुर्जर की मौत के बाद जेल में बंदियों ने भूख हड़ताल की और इस दौरान उनके साथ मारपीट की गई तथा उन्हें खाना नहीं दिया जा रहा था। परिजनों ने कथित मारपीट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने और जिन बंदियों के साथ मारपीट हुई है, उनका उपचार कराने की मांग भी प्रशासन के समक्ष रखी।

प्रशासन ने दिया आश्वासन

एडीएम विनोद कुमार मीणा ने परिजनों को मंगलवार को जिला कलेक्टर से मुलाकात कराने तथा जेल में बंदियों के इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित कराने का आश्वासन दिया।इसके बाद प्रदर्शन समाप्त कर दिया गया।

त्रिवेणी से अरवड़ पहुंची दूसरी कावड़ यात्रा, 26 कावड़ियों ने किया भोलेनाथ का जलाभिषेक

स्मार्ट हलचल

अरवड़। कस्बे में सोमवार को त्रिवेणी से अरवड़ की दूसरी कावड़ यात्रा पहुंचने पर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल रहा। 26 कावड़ियों का दल त्रिवेणी से पवित्र जल लेकर अरवड़ पहुंचा। कावड़ यात्रा के कस्बे में पहुंचने पर श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों ने उत्साह के साथ स्वागत किया। कावड़ियों के अरवड़ पहुंचने के बाद नई अरवड़ एवं पुरानी अरवड़ में डीजे की भक्तिमय धुनों के साथ शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कावड़िए एवं श्रद्धालु भगवान शिव के भजनों पर नृत्य करते हुए चल रहे थे। पूरे मार्ग में हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से वातावरण शिवमय हो गया। नई अरवड़ में शोभायात्रा शिवजी की छतरी मंदिर परिसर पहुंची, जहां पंडितों के सानिध्य में कावड़ियों द्वारा त्रिवेणी से लाए गए पवित्र जल से भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ जलाभिषेक किया गया। इसके साथ ही भगवान शिव का दुग्धाभिषेक कर क्षेत्र में सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई। इसके बाद कावड़ यात्रा पुरानी अरवड़ पहुंची। यहां तालाब की पाल पर स्थित शिव मंदिर में भी पंडितों के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान शिव का जलाभिषेक एवं दुग्धाभिषेक किया गया। पूजा-अर्चना के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ के जयकारे लगाए और धार्मिक अनुष्ठान में भाग लिया। कावड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद की व्यवस्था भी की गई। पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं को साबूदाने की खीर का प्रसाद वितरित किया गया। प्रसाद ग्रहण करने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं श्रद्धालु मौजूद रहे। कावड़ यात्रा के दौरान कस्बे में दिनभर भक्तिमय माहौल बना रहा।

अब मोबाइल ऐप से घर बैठे खाद की एडवांस बुकिंग, FFS ऐप से आसान हुई व्यवस्था

मांडलगढ़ में उर्वरक विक्रेताओं और कृषि विभाग के फील्ड स्टाफ को दिया गया प्रशिक्षण, ऑनलाइन बुकिंग से कतार और कालाबाजारी पर लगेगा अंकुश

स्मार्ट हलचल

मांडलगढ़ । किसानों को अब यूरिया और अन्य उर्वरकों के लिए बिक्री केंद्रों के चक्कर काटने तथा घंटों लंबी कतारों में खड़े रहने से राहत मिलने की उम्मीद है। कृषि विभाग की ओर से FFS (Framework for Fertilizer Sales) मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन खाद बुकिंग की पारदर्शी व्यवस्था लागू की जा रही है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत राजस्थान के राजसमंद और सिरोही जिलों में 25 जून 2026 से इस डिजिटल व्यवस्था की शुरुआत की गई है।

मांडलगढ़ में उर्वरक विक्रेताओं और फील्ड स्टाफ को प्रशिक्षण

व्यवस्था के सफल क्रियान्वयन को लेकर मांडलगढ़ में समस्त उर्वरक विक्रेताओं तथा कृषि विभाग के फील्ड स्टाफ को FFS प्रणाली का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में सहायक कृषि अधिकारी, वरिष्ठ कृषि पर्यवेक्षक एवं कृषि पर्यवेक्षक शामिल रहे। सहायक निदेशक कृषि डॉ. प्रकाश चंद्र खटीक, कृषि अधिकारी विक्रम सिंह एवं भगवत सिंह ने प्रशिक्षण प्रदान किया। इस दौरान विक्रेताओं और विभागीय कार्मिकों को ऐप की कार्यप्रणाली तथा POS मशीन के माध्यम से किसान के सत्यापन की प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

फार्मर आईडी से तय होगी खाद की जरूरत

FFS प्रणाली की खासियत यह है कि किसान की जमीन और फसल से जुड़े रिकॉर्ड यानी फार्मर आईडी के आधार पर ऐप खाद की अनुमानित आवश्यकता निर्धारित करने में मदद करेगा। इससे

निर्धारित आवश्यकता से अधिक खाद की खरीद और कालाबाजारी पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। डिजिटल स्टॉक दर्ज होने से कृषि विभाग खाद के वितरण की निगरानी भी कर सकेगा।

पांच चरणों में होगी खाद की बुकिंग

पहले चरण में किसान FFS ऐप पर अपना जिला, तहसील और गांव चुनेंगे। इसके बाद आधार OTP या फार्मर आईडी के माध्यम से पहचान का सत्यापन किया जाएगा। तीसरे चरण में जमीन और फसल के अनुसार आवश्यक खाद का प्रकार एवं कट्टों की संख्या दर्ज करनी होगी। जानकारी सबमिट करने के बाद किसान को बुकिंग आईडी के साथ त्तृ कोड अथवा ई-टोकन प्राप्त होगा। ई-टोकन 48 घंटे तक वैध रहेगा, जिसके बाद वह स्वतः निरस्त हो जाएगा। इसके बाद किसान चयनित खाद विक्रेता के पास जाकर POS मशीन के माध्यम से सत्यापन करवाकर खाद प्राप्त कर सकेगा और डिजिटल बिल मिलेगा।

पायलट प्रोजेक्ट में 68,305 किसान लाभान्वित

पायलट प्रोजेक्ट के तहत अब तक 68,305 किसानों को लाभ मिलने की जानकारी दी गई है। इस डिजिटल व्यवस्था के माध्यम से कुल 10,341 मीट्रिक टन खाद की ऑनलाइन खरीद की जा चुकी है।

पूरे राजस्थान में लागू करने की तैयारी

कृषि विभाग की ओर से इस पारदर्शी डिजिटल व्यवस्था को जल्द ही पूरे प्रदेश में लागू करने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए केंद्र स्तर पर स्वीकृति की प्रक्रिया जारी है। राज्य के सभी जिलों में व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए जिला नोडल एवं सह-नोडल अधिकारियों की नियुक्ति कर आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

ना सिर पर टोपी ना वर्दी पर बेल्ट, लेकिन एएसआई के जोरदार तेवर, अब बच्चे को ढूंढ रही चाइल्ड लाइन

स्मार्ट हलचल

ओम जैन शंभूपुरा। शंभूपुरा। मामला बस्सी थाने का है, जहा रविवार को एक होमगार्ड मुकेश शर्मा रास्ते मे अकेले रोते मिले 10 साल के मासूम को बस्सी थाने में लेकर जाता है जहाँ कुर्सी पर बिना टोपी ओर बिना वर्दी पर बेल्ट लगाए बैठे एएसआई हंसराज वीडियो बनती देखे बिफर जाते है और होमगार्ड को वीडियो बन्द करने के लिए धमकाते भी वीडियो में दिख रहे है जबकि होमगार्ड ओर साथ मे आये ग्रामीण बोल रहे की यह वीडियो हम हमारी सेफ्टी के लिए ओर बच्चे को परिजनों तक पहुंचाने के लिए बना रहे फिर भी एएसआई ने वर्दी का रौब दिखाते हैं वीडियो को बन्द करवाया ओर यही नही अमानवीयता दिखाते हुए बच्चे या उनसे कोई जानकारी लिए बिना ही उन्हें बच्चे सहित रवाना कर दिया।

मददगारों से ऐसा सलूक फिर कोन आएगा आगे

एएसआई ने मददगारों के साथ ऐसा सलूक किया कि पहले ही लोग ऐसे मामलों में आगे आने से कतराते है और फिर थाने में ऐसा व्यवहार देखे लोगो मे डर का माहौल बनता है जिससे लोग मदद को आगे नही आ पाते है।

एएसआई बिना टोपी बेल्ड के इसलिए रोका वीडियो

वीडियो रोकने और मददगारों के साथ ऐसा व्यवहार करने का एक मुख्य कारण यह भी सामने आ रहा कि एएसआई हंसराज उस समय ना सिर पर टोपी लगाए हुए थे ना वर्दी पर बेल्ट ऐसे में लगता है उन्हें उनकी ऐसी हालत में वीडियो वायरल होने का डर था शायद इसीलिए उन्होंने, अपनी गलती छिपाने के लिए जबरन वीडियो बन्द करवाया।

वीडियो हुआ वायरल एएसआई हुए ट्रोल

जब इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफार्म ओर न्यूज़ चैनलों पर वायरल हुआ तो दिनभर एएसआई ऐसे व्यवहार को लेकर ट्रोल हुए एक यूजर ने तो लिखा ये साहब सिर्फ डोडाचूरा मामले में दौड़ते बाकी नही, तो दूसरे किसी स्थानीय ने लिखा ऐसे पुलिसकर्मी की हमें यहाँ जरूरत नही तुरन्त एसपी साहब हटाये, एक यूजर ने तो इनके हुलिए को देखकर यहाँ तक लिख दिया कि यह पुलिसवाला है या जोकर इस तरह यह एएसआई वर्दी को दागदार करते हुए ट्रोल होते रहे।

खबर चली तो चाइल्ड लाइन टीम पहुंची बस्सी

बच्चे से इस तरह व्यवहार और ऐसे अकेले बच्चे के मिलने की खबर जब दैनिक वीरधरा राजस्थान पर प्रमुखता से चलाई गई, ओर सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इसकी वीडियो वायरल हुई तो सोमवार को टीम बस्सी पहुंची लेकिन टीम को बच्चा नही मिला, कही ना कही पुलिस के ऐसे व्यवहार और लापरवाही की वजह से वह मासूम अब सड़को पर भटकने को मजबूर हो रहा है।

इन्होंने यह कहा

मामले को लेकर थानाधिकारी प्रेम सिह ने कहा कि मैं रविवार को गृहमंत्री मुख्यमंत्री आये थे तो उधर ड्यूटी पर था लेकिन जानकारी में आया कि वीडियो बनाने को लेकर कुछ बहस इनके बीच हुई, एएसआई ने बताया कि मामला कोतवाली थाने का था इसलिए बच्चे को वहाँ छोड़ने को बोला। सीडब्ल्यूसी होम बस्सी के रामगोपाल ओझा ने बताया कि चाइल्ड लाइन से करण ओर टीम भी बच्चे को ढूंढने आये हमने भी ढूंढा लेकिन बच्चा नही मिला, बाकी तो स्थानीय पुलिस हमें ऐसी स्थिति में बच्चे को सौंप देती है, ओर हम भी चित्तौड़ भेजते लेकिन इस घटना में बस्सी पुलिस ने बच्चा नही सौंपा ओर ना ही अब वह बच्चा कही मिल रहा है।

करे स्तवन टूटे भव बंधन: साध्वी श्री प्रतिभा श्री जी

स्मार्ट हलचल

ओम जैन शंभूपुरा। शंभूपुरा। सेन्थी स्थित शांतिभवन में साध्वी श्री प्रतिभा श्री जी आदि ठाणा 4 बिराजित है जिनके प्रतिदिन प्रवचन में बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाएं पहुंच लाभान्वित हो रहे है। चातुमासिक श्रृंखला मे सोमवार को जैन सिद्धान्ताचार्य श्री प्रतिभाजी म.सा ने अपने प्रवचन में फरमाया कि आत्मा अज्ञान व मोहवश पाप व पुण्य का बंध करती हुई नरकादि गतियों मे परिभ्रमण करती आ रही है। एकेन्द्रिय से पंचन्द्रीय तक समस्त जीव न्यूनाधिक पाप करते ही है।

सांसारिक जीव को जाने अनजाने मे अठारह पाप करने पड़ते है जिससे प्रतिक्षण आत्मा के साथ कर्मबंध निरन्तर चालू रहता है। भव परम्परा मे पुण्य पाप का खेल अनवरत रहता है। जब कषाय की मंदता होती है तब शुभ भावों की तीव्रता मे जीव पुण्य का बंध करता है। अनंत पुद्गल परावर्तन बीत गए कितने काल चक्र व्यतीत हो गए पाप प्रवाह निरन्तर गतिमान है। अंधेरे मे पाप अधिक होते है। दुष्ट प्रवृतियां अधिकार मे ही सक्रिय होती है। प्रवक्ता रोशनलाल चोपड़ा ने बताया कि चातुर्मास में शांतिभवन में प्रतिदिन नवकार मंत्र का जाप चल रहा है इसी कड़ी मे 18 अगस्त को नवकार मंत्र जाप प्रकाश चन्द्र जितेंद्र मेहता का रहेगा। अधिकाधिक संख्या मे पधारकर कर्म निर्जरा करने का आव्हान किया। संघ अध्यक्ष अनिल पोखरना ने बाहर से आये अतिथियों का अभिनन्दन कर आभार प्रकट किया।

बोल बम के जयकारों से गूंजा शहर, वीर बजरंगी अखाड़े ने निकाली डाक कांवड़

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। सावन के पावन अवसर पर वीर बजरंगी अखाड़ा, पथिक नगर की ओर से भव्य डाक कांवड़ यात्रा निकाली गई। त्रिवेणी धाम से शुरू हुई यात्रा नर्मदेश्वर महादेव मंदिर, पथिक नगर तक श्रद्धा और उत्साह के साथ पहुंची। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, युवाओं और अखाड़े के सदस्यों ने भाग लिया। यात्रा शुरू होते ही श्रद्धालु भगवान शिव की भक्ति में लीन नजर आए। हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से पूरा मार्ग गूंज उठा। युवाओं ने पूरे जोश और अनुशासन के साथ कांवड़ यात्रा में सहभागिता की। कांवड़ लेकर चल रहे श्रद्धालुओं के साथ माहौल पूरी तरह शिवमय नजर आया।

त्रिवेणी से जल लेकर पहुंचे नर्मदेश्वर महादेव मंदिर

श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी धाम से पवित्र जल लिया और डाक कांवड़ के रूप में नर्मदेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे। मंदिर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान शिव से क्षेत्र में सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। जलाभिषेक के दौरान मंदिर परिसर में भी भक्ति का माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ के जयकारे लगाए। सावन के अवसर पर निकाली गई इस कांवड़ यात्रा में युवाओं की विशेष भागीदारी रही।

श्रद्धा के साथ सामाजिक एकता का संदेश

वीर बजरंगी अखाड़े की ओर से आयोजित डाक कांवड़ यात्रा ने धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश दिया। अखाड़े के सदस्यों ने यात्रा को व्यवस्थित और अनुशासित तरीके से संपन्न कराया। यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता रही। त्रिवेणी धाम से नर्मदेश्वर महादेव मंदिर तक शिवभक्ति और जयकारों के बीच यात्रा संपन्न हुई।

चार घंटे गुल रहेगी बिजली, इन इलाकों में रहेगी सप्लाई बाधित

18 अगस्त को सुबह 8 से दोपहर 12 बजे तक विद्युत आपूर्ति रहेगी बंद

भीलवाड़ा / शहर में विद्युत रखरखाव एवं आवश्यक कार्यों के चलते म गलवार 18 अगस्त को कईइलाकों में चार घंटे बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। निगम सूत्रों के अनुसार सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक संबंधित क्षेत्रों में विद्युत सप्लाई बंद रखी जाएगी। विद्युत कटौती से सिंधु नगर पम्प हाउस, तिलक नगर पम्प हाउस, विद्या निकेतन पम्प हाउस, तिलक नगर सेक्टर-6 व 9 तथा पॉलिटेक्निक कॉलेज के आसपास के क्षेत्र प्रभावित रहेंगे। विद्युत विभाग ने संबंधित क्षेत्रों के उपभोक्ताओं से आवश्यक कार्य पहले ही निपटाने तथा कटौती अवधि के दौरान सहयोग बनाए रखने की अपील की है। बिजली बंद रहने के चलते पेयजल आपूर्ति सहित अन्य आवश्यक सेवाएं भी प्रभावित होने की संभावना है।

21वीं कावड़ यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब, 151 कावड़ियों ने किया शिव मंदिर में जलाभिषेक

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। ग्राम गड्डी थोरियान में सोमवार को 21वीं कावड़ यात्रा श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली गई। पुष्कर से 151 कावड़ियों का दल पवित्र जल लेकर गड्डी थोरियान पहुंचा, जहां शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर विधिवत पूजा-अर्चना की गई। यात्रा के गांव पहुंचने पर ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने कावड़ियों का जगह-जगह स्वागत किया। भाजपा महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष लीला देवी रावत के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामवासियों ने पुष्पवर्षा कर कावड़ियों का अभिनंदन किया। इस दौरान पूरा क्षेत्र भगवान शिव के जयकारों से गूंज उठा। कावड़ यात्रा प्रमुख मुकेश जोधावत ने बताया कि यह कावड़ यात्रा लगातार 21 वर्षों से आयोजित की जा रही है। यात्रा धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश भी देती है। यात्रा में मुकेश जोधावत, श्याम सुंदर सिंह, सुरेश डिंगा, अखिलेश सिंह, कुशाल सिंह, नरेंद्र मकाना, शेरू सिंह, मूल सिंह, शिवराज जाट, सुरेंद्र सिंह, सुरेश मेघवाल, राहुल देपन, देवेंद्र सिंह, पिंटू जोधावत, गोविंद सिंह, कमला रावत, चांदनी मेघवाल एवं रीटा भट्ट सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल रहे। आयोजन के सफल होने पर ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार जताया।

छात्रसंघ चुनाव बहाली की मांग पर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को पुलिस ने किया गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

कोटा। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आगमन के दौरान छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने जा रहे एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोककर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस कार्रवाई को लेकर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं में नाराजगी जताई। एनएसयूआई प्रदेश सचिव रिद्धम शर्मा ने बताया कि छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की मांग को लेकर वे राजकीय महाविद्यालय,कोटा से शांतिपूर्ण तरीके से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपने के लिए रवाना हो रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने उन्हें महाविद्यालय परिसर से बाहर जाने से रोक दिया और मौके से कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। कार्यकर्ताओं के मुताबिक एनएसयूआई प्रदेश सचिव रिद्धम शर्मा, मोहित वाल्मीकि, रोहित मेघवाल और दिलीप मीणा को पुलिस ने गिरफ्तार किया। वहीं दिव्यांश सोनी, हिमांशु मीणा, अफजल खान और लोकेन्द्र वाल्मीकि सहित अन्य कार्यकर्ता भी मौके पर मौजूद रहे। रिद्धम शर्मा ने आरोप लगाया कि वे किसी प्रकार का विरोध या व्यवधान उत्पन्न करने के बजाय मुख्यमंत्री तक छात्रों की मांग पहुंचाने के लिए ज्ञापन देने जा रहे थे। उनका कहना है कि ज्ञापन सौंपने से पहले ही उन्हें महाविद्यालय परिसर से बाहर जाने से रोक दिया गया और पुलिस कार्रवाई की गई। कार्यकर्ताओं ने पुलिस कार्रवाई को लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताते हुए कहा कि विद्यार्थियों को अपनी मांगों को शांतिपूर्ण तरीके से सरकार तक पहुंचाने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि छात्रसंघ चुनाव विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

घरेलू गैस सिलेंडर के व्यावसायिक इस्तेमाल पर सख्ती

समारोह स्थलों पर मिला घरेलू सिलेंडर तो जुर्माने के साथ लाइसेंस निरस्त

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। शादी समारोह, मैरिज गार्डन, बैंक्वेट हॉल, धर्मशाला, रेस्टोरेंट और मिष्ठान भंडारों में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के व्यावसायिक उपयोग पर जिला रसद विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है। घरेलू सिलेंडर का व्यावसायिक इस्तेमाल पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठान के खिलाफ जुर्माने के साथ लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की नई गाइडलाइन के तहत ब्यावर जिले में घरेलू एलपीजी के दुरुपयोग पर रोक लगाने के लिए विशेष जांच अभियान चलाया जाएगा। प्रवर्तन टीम रैंडम तरीके से समारोह स्थलों, मैरिज गार्डन, बैंक्वेट हॉल और धर्मशालाओं की जांच करेगी। जांच में की गई कार्रवाई की सूचना जिला प्रशासन, नगर परिषद/नगरपालिका और राज्य सरकार को भी भेजी जाएगी। इस संबंध में 14 अगस्त को जिला रसद अधिकारी हेमन्त कुमार आर्य ने जिले की गैस एजेंसियों के प्रतिनिधियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि घरेलू सिलेंडर के व्यावसायिक उपयोग की जांच के लिए 27 जुलाई को प्रवर्तन अधिकारी सोहन सिंह चौहान के निर्देशन में प्रवर्तन निरीक्षक विक्रान्त मथुरिया एवं रामदेव डूडी की समिति गठित की गई है।

गैस एजेंसियों को भी दिए निर्देश

बैठक में गैस एजेंसियों को उपभोक्ताओं को सिलेंडर देते समय डिस्काउंट सहित सप्लाई बिल जारी करने और डिस्काउंट संबंधी पंपलेट एजेंसी एवं गैस गोदाम पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए। एजेंसी संचालकों को सिलेंडरों की अवैध सप्लाई रोकने तथा डोर-टू-डोर डिलीवरी के दौरान उपभोक्ताओं से अतिरिक्त राशि नहीं लेने के लिए हॉकरों को पाबंद करने को कहा गया। वहीं मैरिज गार्डन, विवाह स्थल, मिष्ठान भंडार, रेस्टोरेंट और हलवाई आदि द्वारा भोजन एवं मिष्ठान बनाने में एलपीजी सिलेंडर के स्थान पर डीजल भट्टियों के उपयोग पर भी रोक रहेगी। ऐसे व्यवसायियों को चिन्हित कर सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग के अनुसार घरेलू सिलेंडर के व्यावसायिक उपयोग से सरकारी सब्सिडी का दुरुपयोग होता है। इसके अलावा सिलेंडर के लगातार उपयोग से गर्म होने पर सुरक्षा संबंधी खतरा भी बढ़ सकता है। बैठक में प्रवर्तन अधिकारी सोहन सिंह चौहान, प्रवर्तन निरीक्षक विक्रान्त मथुरिया, रामदेव डूडी, जिला गैस एजेंसी अध्यक्ष नरेंद्र राय, तरुण दाधीच (कपीश एचपी गैस), दिनेश पदावत (खरवा इंडेन), जगदीश कुमार जालिया (इंडेन) सहित कुल 48 गैस एजेंसी प्रतिनिधि मौजूद रहे। विभाग ने स्पष्ट किया कि घरेलू एलपीजी के व्यावसायिक उपयोग के खिलाफ नियमित जांच अभियान जारी रहेगा।

नरेगा JTA पर अवैध वसूली का आरोप: श्रमिकों ने कार्यस्थल पर धरना दिया, आंदोलन की चेतावनी

स्मार्ट हलचल

अविनाश मीणा घाड़ (देवली), टोंक देवली पंचायत समिति क्षेत्र की ग्राम पंचायत चन्दवाड़ के कल्याणपुरा गांव में नरेगा श्रमिकों ने कनिष्ठ तकनीकी सहायक (JTA) पर अवैध वसूली का गंभीर आरोप लगाया है। श्रमिकों ने इस संबंध में विकास अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा है। श्रमिकों ने ज्ञापन में बताया कि ग्राम चन्दवाड़ में 16 जुलाई से 'सार्वजनिक नाडी निर्माण कार्य' चल रहा है। उनका आरोप है कि JTA दिनेश सैनी द्वारा इस कार्य के माप-जोख (मेज़रमेंट) के लिए प्रति पखवाड़ा ?200 प्रति श्रमिक के हिसाब से कुल ?10,000 की अवैध मांग की जा रही है। श्रमिकों के अनुसार, जो मजदूर पैसे देने से इनकार करते हैं, उन्हें JTA द्वारा मस्टररोल में कम दर देने और हाजिरी में नुकसान पहुँचाने की धमकी दी जाती है। इस व्यवहार से आक्रोशित श्रमिकों ने कार्यस्थल पर ही धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। ग्रामीणों और श्रमिकों ने प्रशासन से मांग की है कि संबंधित कार्मिक के खिलाफ तत्काल सख्त कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई की जाए। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि आरोपी पर कार्रवाई नहीं हुई, तो वे जिला कलेक्ट्रेट पर अनिश्चितकालीन धरना और उग्र आंदोलन करेंगे। श्रमिकों ने यह भी आरोप लगाया कि रिश्वत न देने पर उनके पिछले मस्टररोल का भुगतान कम किया गया था। खातों में भुगतान आने पर उन्हें इसका पता चला, जिससे उनमें और अधिक रोष फैल गया। श्रमिकों ने कहा है कि वे प्रतिदिन कार्यस्थल पर धरना जारी रखेंगे और अपनी हाजिरी भी लगवाएंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अपनी मांगें पूरी न होने तक वे कार्य का बहिष्कार जारी रखेंगे। यह ज्ञापन समस्त श्रमिकों और ग्रामीणों द्वारा विकास अधिकारी, देवली को सौंपा गया है। सूचना मिलने पर चन्दवाड़ ग्राम पंचायत के सरपंच प्रशासक प्रतिनिधि हेमराज मीणा और नरेगा सहायक (LDC) रोहित सांसी मौके पर पहुँचे। उन्होंने श्रमिकों को समझाया और पूरे काम का पूरा दाम दिलाने का भरोसा दिलाया। ग्राम पंचायत प्रशासन की ओर से श्रमिकों को सभी सुविधाएँ निशुल्क उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया गया। हालांकि, ग्राम पंचायत प्रशासन ने अवैध वसूली के आरोपों को नकारा है।

किसान महापंचायत टोंक का नैनो यूरिया-डीएपी टैगिंग के खिलाफ आंदोलन तेज-2026 में व्यापारियों ने भी दिया समर्थन,

किसानों की जागरूकता से बढ़ा विरोध-20 अगस्त 2026 से आंदोलन की घोषणा

स्मार्ट हलचल

टोंक। किसान महापंचायत टोंक द्वारा वर्ष 2022 से किसानों के साथ क थित रूप से जबरदस्ती नैनो यूरिया, नैनो डीएपी सहित अन्य उर्वरक उत्पाद थोपे जाने के विरोध में चलाया जा रहा आंदोलन अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। चार वर्षों तक लगातार चले जागरूकता अभियान के बाद अब व्यापारियों ने भी इस मुद्दे पर मंत्री को ज्ञापन सौंपा है तथा 20 अगस्त 2026 से आंदोलन की घोषणा की गई है।

टैगिंग की शुरुआत पर गंभीर आरोप

किसान महापंचायत के पदाधिकारियों का आरोप है कि टैगिंग की शुरुआत कृषि विभाग के कुछ अधिकारियों एवं इफको के अधिकारियों (जिन्हें आपसी रिश्तेदारी में साला-बहनोई बताया गया है) की मिलीभगत से की गई थी।इसी व्यवस्था के तहत किसानों पर नैनो उत्पाद लेने का दबाव बनाया जाने लगा, जिसका लगातार विरोध किया जा रहा है।

03 अगस्त 2026 को संयुक्त निदेशक कार्यालय पर ज्ञापन

डीएपी उर्वरक की मांग और टैगिंग व्यवस्था के विरोध को लेकर 03 अगस्त 2026 को किसान महापंचायत टोंक के पदाधिकारी संयुक्त निदेशक कृषि कार्यालय पहुंचे और ज्ञापन सौंपा। आरोप है कि किसानों की मांगों को नजरअंदाज करने की कोशिश की गई, जिससे आक्रोशित पदाधिकारी कार्यालय के बाहर ही कृषि मंत्री का पुतला तैयार कर दहन की तैयारी करने लगे। स्थिति बिगड़ती देख उपखंड अधिकारी टोंक मौके पर पहुंचीं और हस्तक्षेप किया।

वार्ता के बाद लिए गए अहम निर्णय

अगले दिन अधिकारियों और किसान प्रतिनिधियों के बीच वार्ता हुई, जिसमें टैगिंग, कालाबाजारी और अधिक दाम वसूली रोकने पर चर्चा की गई। इस दौरान यह निर्णय लिया गया कि सभी दुकानों पर संबंधित अधिकारियों के संपर्क नंबर प्रदर्शित किए जाएंगे। किसान महापंचायत द्वारा संयुक्त निदेशक कृषि के नंबर भी सार्वजनिक रूप से किसानों तक पहुंचाए गए।साथ ही यह भी आह्वान किया गया कि यदि कृषि अधिकारी फोन नहीं उठाते हैं तो किसान सीधे किसान महापंचायत पदाधिकारियों से संपर्क करें।

जगह-जगह प्रदर्शन और आंदोलन की चेतावनी

किसान महापंचायत के युवा प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद चौधरी एवं जिला अध्यक्ष गोपीलाल डोड़वाडी के नेतृत्व में कई स्थानों पर जोरदार प्रदर्शन किए गए। संगठन ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि किसानों को जबरन अन्य उत्पाद दिए गए तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

व्यापारियों का समर्थन और आंदोलन की घोषणा

लगातार बढ़ते दबाव और किसानों की जागरूकता के चलते खुदरा व्यापारियों ने भी टैगिंग व्यवस्था का विरोध शुरू कर दिया है। इसी के चलते व्यापारियों ने रविवार को जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी को ज्ञापन सौंपा और 20 अगस्त 2026 से आंदोलन की घोषणा की।किसान महापंचायत का कहना है कि जुलाई माह से ही टैगिंग के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप किसानों ने डीएपी और यूरिया की मांग को प्रमुखता से उठाया है। किसान महापंचायत का दावा किसान महापंचायत का दावा है कि यह आंदोलन किसानों के अधिकारों की रक्षा और पारदर्शी उर्वरक वितरण व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। संगठन का कहना है कि उनका अभियान लगातार जारी रहेगा और किसानों को किसी भी प्रकार की जबरन बिक्री या शोषण से बचाया जाएगा।

तीन माह से वेतन नहीं मिलने पर सफाई कर्मचारियों में आक्रोश: बकाया वेतन, ईएसआई व स्थायी नियुक्ति सहित 11 सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

जोबनेर। नगरपालिका मंडल जोबनेर में ठेका प्रणाली के तहत कार्यरत 24 सफाई कर्मचारियों को पिछले तीन माह से वेतन नहीं मिलने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। बकाया वेतन एवं अन्य मांगों को लेकर सफाई कर्मचारी लगातार चौथे दिन भी हड़ताल पर रहे। कर्मचारियों के हड़ताल पर रहने से नगर की सफाई व्यवस्था प्रभावित होने लगी है और कर्मचारियों में अपनी मांगों को लेकर आक्रोश बना हुआ है। सोमवार को कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर उपखण्ड अधिकारी व अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर तत्काल समाधान की मांग की। कर्मचारियों की ओर से वरिष्ठ प्रारूपकार पिंकी राजोरा को अधिशासी अधिकारी के नाम तथा नायब तहसीलदार सोहनलाल जाट को उपखण्ड अधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपा गया। रोहित गुजराती व दीपक तेजी ने बताया कि 24 सफाई कर्मचारी पिछले करीब 5 से 6 वर्षों से नगर की सफाई व्यवस्था में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें पिछले तीन माह से वेतन का भुगतान नहीं हुआ है। इससे कर्मचारियों और उनके परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। कर्मचारियों को पूर्व में भी समय पर वेतन नहीं मिलता रहा है और कई बार दो-दो माह के अंतराल से भुगतान किया गया। कर्मचारियों ने ठेका व्यवस्था, ठेकेदार, वेतन भुगतान और सेवा शर्तों में पारदर्शिता की भी मांग की। स्थायी नियुक्ति की मांग:- कर्मचारियों ने वर्ष 2026 की सफाई कर्मचारी भर्ती में नगरपालिका जोबनेर में वर्तमान में कच्चे, निविदा एवं ठेका व्यवस्था के तहत कार्य कर रहे इन 24 सफाई कर्मचारियों को प्राथमिकता देते हुए भर्ती में शामिल करने तथा स्थायी नियुक्ति देने की मांग की। इसके अलावा कर्मचारियों ने वर्तमान में जमादार के पद पर कार्यरत नंदकिशोर लखन, लालचंद मद्धू एवं सीतराम मद्धू को यथावत रखने की मांग भी रखी। ईएसआई और सुरक्षा सुविधाओं की मांग:- ज्ञापन में सफाई कर्मचारियों को ईएसआई का लाभ उपलब्ध करवाने की मांग की गई। कर्मचारियों का कहना है कि ठेका या अस्थाई व्यवस्था में कार्यरत होने के बावजूद उन्हें श्रमिकों के लिए निर्धारित वैधानिक सुविधाओं का लाभ मिलना चाहिए। सफाई कार्य के दौरान कर्मचारियों को दस्ताने, मास्क, सुरक्षा जूते तथा अन्य आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करवाने की भी मांग की गई, ताकि कार्य के दौरान उनके स्वास्थ्य एवं सुरक्षा से समझौता न हो।

11 सूत्रीय मांगें रखीं:-

ज्ञापन में कर्मचारियों ने तीन माह का बकाया वेतन तत्काल दिलाने, भविष्य में प्रत्येक माह समय पर वेतन भुगतान सुनिश्चित करने, ठेकेदार एवं सेवा शर्तों की जानकारी उपलब्ध करवाने, ईएसआई सहित वैधानिक सुविधाएं देने, सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करवाने, कार्य समय एवं वेतन व्यवस्था में पारदर्शिता रखने तथा शिकायतों के समाधान के लिए जिम्मेदार अधिकारी नियुक्त करने सहित कुल 11 मांगें रखीं। कर्मचारियों ने प्रशासन से पूरे मामले की जांच करवाकर यह सुनिश्चित करने की मांग की कि भविष्य में वेतन भुगतान में अनावश्यक देरी नहीं हो। ज्ञापन के साथ बकाया वेतन वाले 24 सफाई कर्मचारियों की सूची भी संलग्न की गई। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर समय रहते सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई तो वे आगे आंदोलनात्मक कदम उठाने को मजबूर होंगे। इस अवसर पर नंदकिशोर, लालचंद, सीताराम, गणेश, संजय, विक्की, रोहित गुजराती, दीपक तेजी, महेश लखन, देवीलाल, अजय पंवार उपस्थित रहे।

श्रद्धा और उल्लास के साथ निकाली बाबा मंदाकिनी महाकाल की भव्य शाही सवारी

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ / श्रावण सोमवार के अवसर पर बाबा मंदाकिनी महाकाल की भव्य शाही सवारी श्रद्धा और उल्लास के साथ निकाली गई।ऐतिहासिक मंदाकि नी महादेव मंदिर में बाबा महाकाल को सुसज्जित पालकी में विराजमान कर आरती की गई। इसके बाद बैंड-बाजे, डीजे, घोड़े-घोड़ियों और मशक बैंड के साथ शाही सवारी रवाना हुई। शाही सवारी के शुभारंभ से पूर्व ऐतिहासिक एवं पौराणिक महत्व के मंदाकिनी महादेव मंदिर में विशेष धार्मिक अनुष्ठान किए गए। पंडितों के सानिध्य में बाबा महाकाल का विशेष अभिषेक व दिव्य श्रृंगार किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु महादेव के जयकारे लगाते हुए सवारी के साथ चल रहे थे।संतों के बैठने के लिए विशेष रथ की व्यवस्था की गई थी। कलाकारों द्वारा श्मशान की चिता भस्म से होली खेलने के जीवंत दृश्य ने उपस्थित जनसमुदाय को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस आलौकिक और विहंगम दृश्य को कैमरे में कैद करने के लिए लोगों में होड़ मची रही।वहीं युवा हाथों में डमरू और झांझ लेकर नाचते-गाते हुए चल रहे थे। बूंदी के ठीकरदा से आए मशक बैंड ने अपनी प्रस्तुतियों से माहौल को भक्तिमय बना दिया। सवारी का मुख्य आकर्षण जीवंत अघोर झांकी रही।चित्तौड़ गढ़ से आए कलाकारों ने भगवान शंकर और उनके गणों का रूप धारण कर शमशान की चिता भस्म से होली खेलने सहित विभिन्न जीवंत झांकियों की प्रस्तुति दी, जिन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़ पड़े। सवारी के मार्ग में जगह-जगह कस्बेवासियों ने बाबा महाकाल पर पुष्प वर्षा कर पूजन-अर्चन किया। सवारी कस्बे के प्रमुख मार्गों से होकर पुन: मंदाकिनी महादेव मंदिर पहुंची। यहां महाआरती का आयोजन किया गया और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

फेडरेशन ने कसी कमर, प्रदेशभर के कर्मचारियों का जुटेगा डेटा

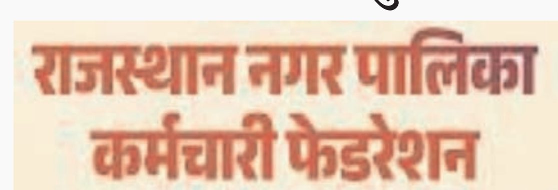

'सेवा सेतु पोर्टल' के जरिए सूचनाओं का संकलन, पारीक बने संयोजक

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (महेन्द्र नागौरी) राजस्थान नगरपालिका कर्मचारी फेडरेशन ने प्रदेशभर की नगरपालिकाओं, नगर परिषदों और नगर निगमों से कर्मचारियों एवं संगठन से जुड़ी सूचनाओं को एकजुट करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। फेडरेशन ने अद्यतन सूचना तैयार करने के लिए विशेष कमेटी का गठन किया है। कमेटी का उद्देश्य संगठन के सभी घटकों की अधिकतम जानकारी एकत्र कर फेडरेशन की कार्यप्रणाली को और प्रभावी बनाना है। फेडरेशन के प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरनारायण माली ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सिंह शेखावत एवं महासचिव रामप्रसाद चौधरी ने 3 अगस्त 2026 को कमेटी गठन के आदेश जारी किए। नन्द किशोर पारीक (भीलवाड़ा) को संयोजक बनाया गया है। कमेटी में अभिषेक शर्मा, ओमप्रकाश कामद, राजेश कुमार गुर्जर और राजमल गुर्जर को सदस्य नियुक्त किया गया है। कमेटी 'सेवा सेतु पोर्टल-पालिका फेडरेशन' के माध्यम से सूचनाओं का संकलन करेगी और प्रदेश अध्यक्ष व महासचिव के समन्वय से कार्य करेगी। कमेटी तत्काल प्रभाव से काम शुरू करेगी।

नागपंचमी पर गूंजे हर-हर महादेव के जयकारे, हुआ रुद्राभिषेक

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / श्रावण मास की नागपंचमी पर भोपालगंज स्थित श्री कष्टभंजन हनुमान मंदिर में विशेष धार्मिक अनुष्ठान हुआ। भगवान शिव ए वं शिव परिवार का विधि-विधान से रुद्राभिषेक कर देश-प्रदेश की खुशहाली, सुख-शांति और 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' की मंगल कामना की गई। वार्ड 34 के कांग्रेस पार्षद प्रत्याशी हेमराज सेन ने बताया कि बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने महादेव की आराधना कर क्षेत्र की समृद्धि और शांति की प्रार्थना की। इस दौरान सत्तु शर्मा, बिहारीलाल सोमाणी, पंडित तुलसीराम, अशोक, निखिल, केदार जागेटिया, आशीष, राम सिंधी, निशा जैन व लाडदेवी सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी मौजूद रहे।

तिरंगे की शान में गूंजा गृह रक्षा केन्द्र, स्वयंसेवकों का सम्मान

सप्ताहभर चले तिरंगा अभियान में रैली, प्रभात फेरी और स्वच्छता अभियान से दिया राष्ट्रभक्ति का संदेश

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र में 80वां स्वाधीनता दिवस हर्षोल्लास और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र के समादेष्टा ललित व्यास ने सुबह 8:15 बजे ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। निदेशालय गृह रक्षा, राजस्थान के निर्देश पर 9 से 15 अगस्त तक सप्ताहभर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। तिरंगा प्रभात फेरी, तिरंगा वाहन रैली, पैदल रैली, तिरंगा प्रदर्शनी और जागरूकता कार्यक्रमों के साथ केन्द्रों व उपकेन्द्रों पर स्वच्छता अभियान चलाकर राष्ट्रप्रेम और स्वच्छता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में लेखाधिकारी आशा माली, प्लाटून कमांडर रामकिशोर, मुख्य आरक्षी शान्तिलाल, वरिष्ठ सहायक देवेन्द्र सिंह सहित स्थायी स्टाफ एवं स्वयंसेवक मौजूद रहे। समारोह के समापन पर समादेष्टा ललित व्यास ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयंसेवकों को सम्मानित किया तथा सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

कोटा सिटी राउंड टेबल-358 राजकीय विद्यालय मे बांट छातें

50 विद्यार्थियों को बांटे छाते, चेहरे पर खिली खुशी

स्मार्ट हलचल

कोटा। कोटा सिटी राउंड टेबल-358 की ओर से महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, रोजड़ी में 50 विद्यार्थियों को छाते वितरित किए गए। छाते पाकर विद्यार्थियों के चेहरे पर खुशी खिल उठी और उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की। संस्था के अध्यक्ष रोहित जैन ने बताया कि संस्था शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न सेवा प्रकल्पों के माध्यम से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में संस्था की ओर से विद्यालय में चार कक्षाओं का निर्माण भी कराया जा चुका है। संस्था के सचिव रमन भाटिया ने बताया कि विद्यार्थियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए छाते वितरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य केवल संसाधन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना भी है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्राचार्य ने संस्था का आभार जताते हुए कहा कि ऐसी पहल विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उन्हें लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने और बड़े सपने देखने की प्रेरणा देती हैं। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष रोहित जैन, सचिव रमन भाटिया, सदस्य सिद्धार्थ गौतम सहित विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

सावन के तीसरे सोमवार पर दाधीच महिला मंडल की 51 महिलाओं ने किया सामूहिक रुद्राभिषेक

12 ज्योतिर्लिंगों की पूजा कर महिलाओं ने की सुख-समृद्धि की कामना

स्मार्ट हलचल

कोटा। दाधीच महिला मंडल की ओर से सावन माह के तीसरे सोमवार के अवसर पर बूंदी रोड स्थित कंचन धाम में सामूहिक रुद्राभिषेक एवं सावन महोत्सव का आयोजन किया गया। अध्यक्ष रविन्द्र जोशी ने बतायाकि इस दौरान 51 महिलाओं ने विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ भगवान शिव का सामूहिक अभिषेक किया। विप्र पंडितों के सान्निध्य में 12 ज्योतिर्लिंगों की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। मंडल की महिला अध्यक्ष स्मिता शर्मा ने बताया कि सावन के पावन अवसर पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी महिलाएं पारंपरिक लहरिया परिधान में पहुंचीं। पूजा-अर्चना के बाद महिलाओं ने भगवान शिव के भजनों की प्रस्तुति दी, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। 'मेरे भोले बाबा आना' और 'आज तो कैलाश में बाज रहे डमरू' जैसे भजनों पर महिलाओं ने श्रद्धा के साथ भक्ति की। मंत्री अम्बिका दाधीच ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान सावन माह एवं धार्मिक परंपराओं से जुड़े प्रश्नों की प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई। महिलाओं ने उत्साह के साथ इसमें भाग लिया। कार्यक्रम में धार्मिक आस्था के साथ सावन की संस्कृति और परंपराओं की झलक भी देखने को मिली। कोषाध्यक्ष रेखा दाधीच ने बताया कि सामूहिक रुद्राभिषेक के दौरान विधिवत मंत्रोच्चार के साथ भगवान शिव की आराधना की गई,जिसमें समाज की 51 महिलाओ ने सहभागिता निभाई। आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ना और सावन की परंपराओं को जीवंत बनाए रखना रहा।

विशाल रक्तदान एवं नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन 19 अगस्त को

स्मार्ट हलचल

रणवीर सिंह चौहान भवानी मंडी भारत विकास परिषद की आदर्श शाखा, विवेकानंद शाखा एवं मीरा शाखा तथा नवजीवन हॉस्पिटल, भवानीमंडी के संयुक्त तत्वावधान में स्वर्गीय रवेल सिंह छाबड़ा (पूर्व पालिका उपाध्यक्ष) की 53वीं पुण्यतिथि के अवसर पर 19 अगस्त 2026, बुधवार को विशाल रक्तदान शिविर एवं नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श एवं जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का आयोजन जैन बोर्डिंग, भवानीमंडी में किया जाएगा। विशाल रक्तदान शिविर का समय प्रात: 9 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगा, जबकि नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श एवं जांच शिविर प्रात: 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होगा। चिकित्सा शिविर में अनुभवी चिकित्सकों द्वारा विभिन्न रोगों से संबंधित नि:शुल्क परामर्श दिया जाएगा। इसमें जनरल फिजिशियन, नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ, हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, मुख एवं दंत रोग विशेषज्ञ तथा फिजियोथेरेपी विशेषज्ञ सेवाएं देंगे। शिविर में BMD जांच (बोन मास डेंसिटी), हीमोग्लोबिन जांच, शुगर जांच (RBS), थायराइड जांच (TSH), यूरिक एसिड जांच, न्यूरोपैथी जांच एवं ब्लड प्रेशर जांच जैसी सुविधाएं भी नि:शुल्क उपलब्ध रहेंगी।

रक्तदान क्यों है महत्वपूर्ण- रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति के लिए जीवनरक्षक साबित हो सकता है। दुर्घटना, प्रसव, ऑपरेशन, गंभीर बीमारी तथा अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में रक्त एवं रक्त घटकों की आवश्यकता पड़ती है। नियमित स्वैच्छिक रक्तदान से अस्पतालों में रक्त की उपलब्धता बनाए रखने में महत्वपूर्ण सहायता मिलती है। रक्तदान का सबसे बड़ा लाभ यह है कि एक योग्य रक्तदाता का रक्त जरूरत के समय किसी व्यक्ति का जीवन बचाने में सहायक हो सकता है। रक्तदान के बाद शरीर सामान्य रूप से दान किए गए रक्त की पूर्ति करता है। रक्तदान से पहले स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जांच एवं पात्रता का परीक्षण भी किया जाता है। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, युवाओं एवं स्वस्थ पात्र नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान कर इस जनसेवा अभियान को सफल बनाने की अपील की है।

बायतु उपखंड अध्यक्ष पद पर चिमु धतरवाल की नियुक्ति

स्मार्ट हलचल

बायतु। ऑल इंडिया जर्नलिस्ट्स (AIJ) के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष खीयाराम पालीवाल ने संगठन के राष्ट्रीय पदाधिकारियों के निर्देशानुसार पत्रकार चिमु धतरवाल को बायतु उपखंड का अध्यक्ष नियुक्त किया है। नियुक्ति पत्र के अनुसार यह नियुक्ति राष्ट्रीय सचिव मनोहर मंडलोई, राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम सेन तथा राष्ट्रीय समन्वयक गजेन्द्र जी माहेश्वरी की अनुमति एवं निर्देशानुसार प्रभावी की गई है। संगठन ने विश्वास जताया कि चिमु धतरवाल पत्रकार हितों, पत्रकार एकता एवं संगठन के विस्तार के लिए सक्रियता से कार्य करेंगे। नवनियुक्त अध्यक्ष को 15 अगस्त 2026 से आगामी दो वर्ष के कार्यकाल के दौरान बायतु उपखंड मुख्यालय की कार्यकारिणी का गठन कर शीघ्र घोषणा करने तथा कार्यकारिणी की सूची संगठन को प्रेषित करने के निर्देश दिए गए हैं। AIJ ने कार्यकारिणी गठन में संगठन की मजबूती, पत्रकार हित, पत्रकार एकता एवं संगठन के विस्तार को प्राथमिकता देने की बात कही है। नियुक्ति पत्र में कहा गया है कि संगठन देशभर में पत्रकारों के अधिकार, सम्मान, सुरक्षा, संगठनात्मक एकता एवं कल्याण के लिए कार्यरत है। चिमु धतरवाल की नियुक्ति पर पत्रकारों एवं संगठन से जुड़े सदस्यों ने शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में बायतु उपखंड में संगठन को और मजबूती मिलेगी।

भवानीमंडी के 40 वार्डों की आरक्षण लॉटरी निकली, अब जमेगा चुनावी रंग

16 वार्ड अनारक्षित, 8 वार्ड सामान्य महिला के लिए आरक्षित; एससी, ओबीसी और एसटी वर्ग के वार्डों की तस्वीर साफ होते ही संभावित पार्षद प्रत्याशी सक्रिय होने की तैयारी में

स्मार्ट हलचल

रणवीर सिंह चौहान भवानीमंडी । भवानीमंडी नगर पालिका के आगामी चुनाव को लेकर 40 वार्डों की आरक्षण लॉटरी निकलने के साथ ही अब कस्बे की राजनीति में चुनावी रंग और गहराने की उम्मीद है। वार्डों के आरक्षण की तस्वीर साफ होने के बाद संभावित पार्षद प्रत्याशी अपने-अपने अनुकूल वार्डों में सक्रिय होने की तैयारी में जुटेंगे। वहीं नगर पालिका अध्यक्ष का पद पूर्व में ही सामान्य घोषित किया जा चुका है, ऐसे में वार्ड आरक्षण के बाद अध्यक्ष पद के लिए बनने वाले राजनीतिक समीकरणों को लेकर भी चर्चाएं तेज होने लगी हैं। आरक्षण के अनुसार भवानीमंडी नगर पालिका के 40 वार्डों में 16 वार्ड अनारक्षित (ओपन) रखे गए हैं। वहीं 8 वार्ड सामान्य महिला, 5 वार्ड एससी पुरुष, 2 वार्ड एससी महिला, 5 वार्ड ओबीसी पुरुष, 3 वार्ड ओबीसी महिला तथा 1 वार्ड एसटी पुरुष के लिए आरक्षित किया गया है।

इन वार्डों में रहेगी अनारक्षित सीट

लॉटरी के अनुसार वार्ड नंबर 1, 2, 9, 16, 18, 21, 23, 26, 30, 31, 33, 35, 36, 37, 38 और 39 अनारक्षित (ओपन) रखे गए हैं। इन वार्डों में आरक्षण की कोई वर्ग विशेष बाध्यता नहीं होने से विभिन्न वर्गों के संभावित दावेदार चुनाव मैदान में उतर सकेंगे।

8 वार्ड सामान्य महिला के लिए आरक्षित

सामान्य महिला के लिए वार्ड नंबर 6, 10, 13, 20, 25, 27, 28 और 40 आरक्षित किए गए हैं। इन वार्डों में महिला प्रत्याशियों के बीच चुनावी मुकाबला देखने को मिलेगा।

एससी वर्ग के 7 वार्ड

अनुसूचित जाति वर्ग के लिए कुल 7 वार्ड आरक्षित हुए हैं। इनमें वार्ड 4, 5, 17, 24 और 32 एससी पुरुष तथा वार्ड 3 और 15 एससी महिला के लिए आरक्षित हैं।

ओबीसी के 8 वार्ड आरक्षित

अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए कुल 8 वार्ड आरक्षित किए गए हैं। इनमें वार्ड 7, 12, 14, 19 और 29 ओबीसी पुरुष तथा वार्ड 8, 11 और 34 ओबीसी महिला के लिए आरक्षित हैं।

एसटी के लिए एक वार्ड

अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए वार्ड नंबर 22 एसटी पुरुष के लिए आरक्षित किया गया है। एसटी महिला के लिए कोई वार्ड आरक्षित नहीं हुआ है।

अध्यक्ष पद सामान्य होने से बढ़ी राजनीतिक हलचल

नगर पालिका अध्यक्ष का पद पहले ही सामान्य घोषित हो चुका है। अब वार्डों की आरक्षण लॉटरी सामने आने के बाद अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल संभावित राजनीतिक समूहों की रणनीति भी वार्डवार मजबूत प्रत्याशियों के चयन पर केंद्रित होगी। हालांकि अध्यक्ष पद के लिए किस व्यक्ति या समूह को राजनीतिक दल आगे बढ़ाते हैं, यह आगामी चुनावी परिस्थितियों और दलों के निर्णय पर निर्भर करेगा। वार्ड आरक्षण के बाद अब संभावित पार्षद प्रत्याशियों की सक्रियता बढ़ने की संभावना है। कई दावेदार अपने-अपने सामाजिक संपर्क, समर्थकों और राजनीतिक समीकरणों को मजबूत करने में जुटेंगे। वहीं राजनीतिक दलों के लिए भी अलग-अलग वार्डों में जीत की संभावनाओं के अनुसार प्रत्याशियों का चयन अहम होगा।

40 वार्डों का पूरा आरक्षण गणित

आरक्षण श्रेणी	वार्ड संख्या	कुल
अनारक्षित ओपन	1, 2, 9, 16, 18, 21, 23, 26, 30, 31, 33, 35, 36, 37, 38, 39	16
सामान्य महिला	6, 10, 13, 20, 25, 27, 28, 40	8
एससी पुरुष	4, 5, 17, 24, 32	5
एससी महिला	3, 15	2
ओबीसी पुरुष	7, 12, 14, 19, 29	5
ओबीसी महिला	8, 11, 34	3
एसटी पुरुष	22	1
कुल	40 वार्ड	40

अब आरक्षण की तस्वीर साफ होने के साथ भवानीमंडी नगर पालिका चुनाव की राजनीतिक बिसात भी बिछने लगी है। कौन-से वार्ड से कौन-सा चेहरा मैदान में उतरता है, किन दावेदारों को राजनीतिक दलों का समर्थन मिलता है और अध्यक्ष पद के लिए कौन-से समीकरण बनते हैं, यह आने वाले दिनों में चुनावी चर्चा का प्रमुख केंद्र रहेगा।

कांग्रेस नेता ने आरएसएस को जैश-तालिबान से जोड़ा, रजिस्ट्रेशन पर बहस गर्म

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष बी.के. हरिप्रसाद ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तुलना जैश-ए-मोहम्मद और तालिबान से कर नया विवाद खड़ा किया है। बेंगलुरु में कांग्रेस नेता हरिप्रसाद ने कहा कि इन तीनों संगठनों में कोई अंतर नहीं है क्योंकि ये सभी भारत में रजिस्टर्ड नहीं हैं।

उन्होंने वंदे मातरम और राष्ट्रगान से जुड़े विवादों का जक्रि कर कहा कि केरल के वाइस चांसलर मोहनन कुन्नुम्मल ने आरएसएस के बारे में बिल्कुल सही कहा था, जो न राष्ट्रगान गाते हैं और न ही तिरंगा फहराते हैं। ये टिप्पणियां सोनिया और राहुल गांधी के खिलाफ वंदे मातरम में कथित बाधा डालने पर एफआईआर दर्ज होने और वीसी कुन्नुम्मल द्वारा हाल ही में राष्ट्रगीत का विरोध करने वालों की निंदा के बाद आई हैं।

आरएसएस के पंजीकरण को लेकर छिड़ी बहस के बीच, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी.एल.संतोष ने पलटवार कर कहा कि संघ को कानूनी रजिस्ट्रेशन की ज़रूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि संगठन की पहचान कागज़ी कार्रवाई से नहीं, बल्कि जनता के भरोसे से होती है और यह 1925 से बिना किसी कानूनी दर्जे के सफलतापूर्वक काम कर रहा है। संतोष ने विभाजन जैसे मुश्किल समय में भी आरएसएस के योगदान को रेखांकित किया।

इस पर प्रतिक्रिया देकर कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने संघ से स्पष्ट करने की मांग की कि वह किन भारतीय कानूनों के तहत संपत्ति रखती है, बैंक खाते चलाती है और दान प्राप्त करती है। उन्होंने कहा कि बिना रजिस्ट्रेशन वाली संस्थाएं सीधे तौर पर संपत्ति कैसे रख सकती हैं? खड़गे ने संगठन के ऑडिट किए गए खातों और टैक्स फाइलिंग की जानकारी भी मांगी, यह कहते हुए कि कानूनी पारदर्शिता की जगह इतिहास नहीं ले सकता और बढ़ती पहुंच के साथ सार्वजनिक जवाबदेही भी बढ़नी चाहिए।

खीयाराम पालीवाल को AIJ राजस्थान का कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत

स्मार्ट हलचल

बायतु (चिमु धतरवाल)। एसोसिएशन ऑफ इंडियन जर्नलिस्ट (AIJ) ने वरिष्ठ पत्रकार खीयाराम पालीवाल को राजस्थान राज्य का कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया है। संगठन के राष्ट्रीय नेतृत्व की ओर से जारी नियुक्ति पत्र में पालीवाल की दीर्घकालीन पत्रकारिता सेवाओं एवं पत्रकार हितों के प्रति प्रतिबद्धता को देखते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी गई है ĐAIJ के राष्ट्रीय महासचिव मनोहर मंडलोई की ओर से जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार यह नियुक्ति राष्ट्रीय समन्वयक गजेंद्र जी माहेश्वरी की अनुमति, राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष एम.एस. शेख के प्रस्ताव एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम सेन के निर्देश पर की गई है। नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होकर संगठन के नियमों एवं निर्देशों के अधीन आगामी दो वर्षों तक प्रभावी रहेगी। नवनियुक्त कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष खीयाराम पालीवाल ने संगठन के राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन पर विश्वास जताकर प्रदेश की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपने के लिए वे सदैव आभारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि वे पत्रकारिता के हितों, पत्रकारों के सम्मान एवं अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करेंगे। पालीवाल ने कहा कि संगठन के प्रति पूर्ण समर्पण के साथ पत्रकार साथियों के हितों की आवाज को मजबूती से उठाना तथा संगठन को मजबूत एवं प्रभावी बनाने के लिए निरंतर प्रयास करना उनकी प्राथमिकता रहेगी।

राजस्थान के 41 जिलों में AIJ का संगठन विस्तार, ग्राम पंचायत स्तर तक पत्रकारों को जोड़ने की तैयारी-

एसोसिएशन ऑफ इंडियन जर्नलिस्ट (AIJ) के राजस्थान के नवनियुक्त कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष खीयाराम पालीवाल ने प्रदेश में संगठन के व्यापक विस्तार की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के सभी 41 जिलों में जिला अध्यक्ष एवं जिला कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा तथा संगठन को उपखंड, तहसील, ब्लॉक एवं ग्राम पंचायत स्तर तक मजबूत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 41 जिले, 328 उपखंड, 426 तहसील, 367 ब्लॉक/पंचायत समितियां तथा 11,071 ग्राम पंचायतें हैं। संगठन का प्रयास रहेगा कि प्रत्येक स्तर पर पत्रकार साथियों को संगठन से जोड़कर प्रभावी कार्यकारिणी का गठन किया जाए। इसके लिए जिला अध्यक्षों के साथ-साथ उपखंड अध्यक्ष, तहसील अध्यक्ष एवं ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति करते हुए प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर तक संगठन की कार्यकारिणी के विस्तार का दायित्व निभाया जाएगा।

पत्रकारों के हितों की मजबूती से उठेगी आवाज-

प्रदेश अध्यक्ष खीयाराम पालीवाल ने कहा कि राजस्थान में कहीं भी किसी पत्रकार को बेवजह प्रताड़ित करने, मारपीट करने, धमकाने अथवा झूठे मुकदमों में फंसाने का प्रयास किया गया तो संगठन पत्रकार के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। पत्रकारों के अधिकारों एवं सम्मान के साथ किसी भी प्रकार का कुठाराघात बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकारी एवं अर्धसरकारी कार्यालयों में समाचार कवरेज के दौरान पत्रकारों को आने वाली समस्याओं को भी संगठन गंभीरता से उठाएगा। पत्रकारों को निष्पक्ष एवं स्वतंत्र रूप से अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए आवश्यक वातावरण उपलब्ध करवाने की दिशा में संगठन प्रभावी भूमिका निभाएगा।

पत्रकारों के लिए हेल्पलाइन नंबर होगा जारी-

पालीवाल ने बताया कि पत्रकारों की समस्याओं एवं उनके अधिकारों की रक्षा के लिए राजस्थान में AIJ की हेल्पलाइन सेवा शुरू करने की तैयारी की जा रही है। हेल्पलाइन के माध्यम से पत्रकार अपनी समस्या संगठन तक पहुंचा सकेंगे, जिसके बाद प्रकरण की गंभीरता के अनुसार संबंधित अधिकारियों के समक्ष आवाज उठाई जाएगी। उन्होंने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य पत्रकारों की एकजुटता, सुरक्षा, सम्मान एवं अधिकारों की रक्षा करना है। प्रदेश में संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करते हुए पत्रकार हितों की लड़ाई को प्रभावी और संगठित रूप से आगे बढ़ाया जाएगा।

'उन्हें बार-बार बदनाम किया गया...', आशीष के निधन पर ममता की भावुक पोस्ट

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता और विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर आशीष बनर्जी के निधन पर गहरा दुख जताया है। रामपुरहाट विधानसभा सीट से पांच बार विधायक रहे आशीष बनर्जी की देह रविवार को बीरभूम जिले में स्थित पार्टी कार्यालय में फंदे से लटकी मिली थी। उनके निधन के बाद राजनीतिक विवाद भी शुरू हो गया है।

ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक भावुक पोस्ट में कहा कि आशीष बनर्जी के निधन से वह बेहद दुखी और व्यथित हैं। उन्होंने लिखा कि आशीष बनर्जी ने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा अध्यापन और समाजसेवा को समर्पित किया। अपने सरल स्वभाव और रामपुरहाट तथा बीरभूम के लोगों के साथ करीबी जुड़ाव के कारण वह हमेशा याद किए जाएंगे। ममता ने कहा कि इस घटना को और भी दर्दनाक बनाने वाली बात यह है कि अपने जीवन के अंतिम दिनों में आशीष बनर्जी भारी मानसिक और भावनात्मक दबाव से गुजरते दिखाई दिए। पांच बार विधायक, पूर्व डिप्टी स्पीकर और चेयरमैन के रूप में उन्होंने रामपुरहाट के विकास तथा लोगों के हित के लिए महत्वपूर्ण काम किए।

'बार-बार बदनाम किया गया'

ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि लंबे सार्वजनिक जीवन के बावजूद आशीष बनर्जी को बार-बार बदनाम किया गया, उन पर झूठे आरोप लगाए गए और लगातार दबाव में रखा गया। उन्होंने कहा कि जिस तरह के उत्पीड़न और मानसिक दबाव का उन्हें सामना करना पड़ा, वह राजनीतिक दुश्मनी की लगातार चल रही स्थिति की मानवीय कीमत पर सोचने के लिए मजबूर करता है। उन्होंने आशीष बनर्जी के परिवार, प्रियजनों, पूर्व छात्रों और उनके समर्थकों के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि इस कठिन समय में उनकी प्रार्थनाएं परिवार के साथ हैं।

शुभेंदु अधिकारी ने पुलिस जांच की मांग की

आशीष बनर्जी के निधन पर भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने भी शोक जताया। उन्होंने कहा कि आशीष बनर्जी के साथ उनकी अच्छी दोस्ती थी। अधिकारी ने परिवार से पुलिस जांच में सहयोग करने की अपील की और मामले की निष्पक्ष जांच के लिए कॉल रिकॉर्ड की भी जांच किए जाने की मांग की। आशीष बनर्जी के निधन के बाद टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी सहित पार्टी के कई नेताओं ने भी भाजपा और मीडिया के एक वर्ग पर पार्टी नेताओं के खिलाफ कथित बदनामी अभियान चलाने का आरोप लगाया है। मामले को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच पुलिस जांच पर भी सबकी नजर है।

हरसिमरत कौर ने सुखबीर बादल पर हमलों की एनआईए जांच की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर अपने पति और शिअद प्रमुख सुखबीर सिंह बादल पर हुए हमलों की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से उच्च-स्तरीय जांच की मांग की है। यह मांग 13 अगस्त, 2026 को महाराष्ट्र के नांदेड़ स्थित श्री हजूर साहिब गुरुद्वारे में शिअद अध्यक्ष सुखबीर बादल पर हुए हमले और 4 दिसंबर, 2024 को अमृतसर के गोल्डन टेम्पल में उनकी जान लेने की कोशिश के संदर्भ में की गई है।

हरसिमरत ने नांदेड़ की घटना को हत्या की एक कायराना और जघन्य कोशिश बताया। उन्होंने घटना की गंभीरता, उसके तरीके और परिस्थितियों का हवाला देकर केंद्र से इसकी जांच एनआईए को सौंपने की अपील की। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने अपने पत्र में 13 अगस्त, 2026 के हमले और 4 दिसंबर, 2024 की पिछली घटना, दोनों की उच्च-स्तरीय जांच का आदेश देने की मांग की है। उन्होंने दोनों घटनाओं के बीच संभावित संबंध और किसी बड़ी साजिश की भी जांच करने को कहा। हरसिमरत ने केंद्रीय मंत्री शाह को लिखे अपने पत्र में कहा कि इन दोनों जानलेवा कोशिशों में कई परेशान करने वाली समानताएं थीं, जिससे गंभीर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने पंजाब में राजनीतिक संघर्ष के लिए हिंसा को सामान्य और उचित ठहराने के तरीके पर चिंता व्यक्त की।

सांसद हरसिमरत ने कहा कि केवल एक स्वतंत्र केंद्रीय जांच ही घटनाओं की पूरी कड़ी का पता लगा सकती है, इसमें शामिल व्यक्तियों और संगठनों की पहचान हो सकती है, हमलों के जुड़ाव की पुष्टि कर सकती है, किसी भी संभावित चरमपंथी या विदेशी लिंक की जांच कर सकती है, और यह भी निर्धारित कर सकती है कि क्या सरकारी अधिकारियों की ओर से कोई विफलता, मिलीभगत या जानबूझकर कर्तव्य में लापरवाही बरती गई थी।

'मुझे व्यवस्था से मुक्त करें!' शहजाद पूनावाला ने दोबारा भेजा इस्तीफा

-पहले इस्तीफे के बाद पार्टी ने कहा था- फैसले पर पुनर्विचार करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक बार फिर पार्टी नेतृत्व को इस्तीफा भेजकर संगठनात्मक जिम्मेदारियों से मुक्त करने का आग्रह किया है। पार्टी की ओर से उनका पहला इस्तीफा स्वीकार नहीं किए जाने के बाद पूनावाला ने भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन को नया पत्र लिखा है। उन्होंने पद और सक्रिय सदस्यता छोड़ने के अपने फैसले को दोहराते हुए नेतृत्व से इस्तीफा स्वीकार करने की अपील की है।

पूनावाला ने अपना पत्र सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी साझा किया। उन्होंने कहा कि वह आभारी हैं कि पार्टी ने शुरुआती दौर में उनका इस्तीफा स्वीकार करने से इनकार किया और उनसे फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा था। हालांकि, लंबे और गहन चिंतन के बाद उन्होंने संगठन की भूमिका और सक्रिय सदस्यता से हटने का अंतिम निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में हुई घटनाओं ने उन्हें अपने पहले के फैसले पर कायम रहने के लिए मजबूर किया है। पूनावाला ने उन लोगों का नाम नहीं लिया, जिनकी वजह से कथित तौर पर ये घटनाएं हुईं।

अपने इस्तीफे के कारणों पर पूनावाला ने कहा कि वह अत्यंत जरूरी वित्तीय और व्यक्तिगत परिस्थितियों के कारण निजी क्षेत्र में जाने का निर्णय ले रहे हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के विजन तथा काम का समर्थन जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, ÷मैं केवल 'व्यवस्था' छोड़ रहा हूं, 'व्यक्ति' या 'विचार' नहीं।÷ पूनावाला ने कहा कि उनका फैसला नाराजगी से प्रेरित नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा महासचिव बीएल संतोष सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के प्रति आभार, स्नेह और सम्मान व्यक्त किया।

'पसमांदा मुस्लिम, गैर-वंशवादी की कहानी'

पूनावाला ने पार्टी के साथ अपने करीब पांच वर्ष के सफर को याद करते हुए कहा कि भाजपा ने उन्हें मंच और अवसर प्रदान किए। उन्होंने एक्स पर पत्र साझा करते हुए लिखा कि किसी अन्य देश और किसी अन्य पार्टी में उनके जैसी कहानी– एक युवा, पसमांदा मुस्लिम और गैर-वंशवादी व्यक्ति की कहानी– शायद संभव नहीं होती।

कांग्रेस से शुरू किया था सियासी सफर

38 वर्षीय पूनावाला ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत कांग्रेस से की थी। राहुल गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष चुने जाने का विरोध करने और कांग्रेस छोड़ने के बाद वह राष्ट्रीय राजनीति में चर्चा में आए। इसके बाद वह भाजपा में शामिल हुए और पार्टी के प्रमुख राष्ट्रीय प्रवक्ताओं में शामिल हो गए। भाजपा में रहते हुए पूनावाला टीवी डिबेट, प्रेस ब्रीफिंग और सोशल मीडिया पर पार्टी का पक्ष रखने वाले प्रमुख नेताओं में रहे। वर्ष 2021 में उन्हें भाजपा के दिल्ली आईटी और सोशल मीडिया विभाग की जिम्मेदारी भी दी गई थी।

मुस्लिम चेहरा के कारण आगे किया?

कहा जाता है कि भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख मुस्लिम चेहरों में शामिल पूनावाला को अक्सर विवादित और हाई-प्रोफाइल राजनीतिक मुद्दों पर भाजपा का पक्ष रखने के लिए आगे किया जाता था। अब उन्होंने एक बार फिर पार्टी नेतृत्व से संगठनात्मक जिम्मेदारियों से औपचारिक रूप से मुक्त करने का आग्रह किया है। हालांकि, उनके पत्र में प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के विजन के प्रति समर्थन जारी रखने की बात कही गई है।

संक्षिप्त समाचार

यूएस में बारिश से हाहाकारः इंडियाना की व्हाइट नदी में बाढ़, 113 साल पुराना कौन सा रिकॉर्ड टूटा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के इंडियाना में भारी बारिश ने बाढ़ का ऐसा संकट खड़ा कर दिया है, जिसने 113 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। व्हाइट नदी का जलस्तर 24.9 फीट से ऊपर पहुंच गया और कई इलाकों में घर, सड़कें और रेलवे ट्रैक पानी में डूब गए। मंगलवार से इंडियानापोलिस के पूर्वी हिस्से में 11 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। हालात को देखते हुए इंडियाना के गवर्नर माइक ब्रॉन ने आपात स्थिति घोषित कर नेशनल गार्ड को राहत और बचाव कार्य में लगाया है। व्हाइट नदी का पानी रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया है। नदी का जलस्तर 24.9 फीट से ज्यादा दर्ज किया गया, जो 1913 में दर्ज किए गए पुराने रिकॉर्ड से एक फीट से भी अधिक ऊपर है। इस बढ़ते जलस्तर ने नदी के आसपास के कई इलाकों को डुबो दिया। प्रशासन के अनुसार, नदी का पानी रविवार तक अपने किनारों से बाहर निकलता रह सकता है। इससे आने वाले समय में बाढ़ और गंभीर होने की आशंका बनी हुई है।कितनी बारिश हुई और कितने इलाके पानी में डूबे इंडियानापोलिस के पूर्व में मंगलवार से अब तक 11 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है। एंडरसन शहर में कई फीट पानी सड़कों पर भर गया और घर पानी से घिर गए। लोगों को इलाके से बाहर निकलने का आदेश दिया गया। फैंकलिन काउंटी में भी पानी ने रेलवे पटरियों और सड़कों को ढक दिया। कैंब्रिज सिटी में लगातार दूसरे दिन कई घर कई फीट पानी से घिरे रहे। यॉर्कटाउन से सामने आए वीडियो में भी बाढ़ से बड़े पैमाने पर नुकसान दिखाई दिया। बाढ़ के बीच राहत और बचाव दल ने पूरे क्षेत्र में दर्जनों लोगों को सुरक्षित निकाला। इंडियानापोलिस में शनिवार दोपहर तक करीब 70 लोगों के बचाए जाने की जानकारी सामने आई। कई लोगों के साथ उनके पालतू जानवरों को भी सुरक्षित निकाला गया। वहीं डेलावेयर काउंटी में शुक्रवार को शेरिफ के जवानों को 58 वर्षीय महिला का शव मिला। अधिकारियों को आशंका है कि महिला की मौत बाढ़ के पानी से होकर गाड़ी चलाने की कोशिश के दौरान हुई। फिलहाल तक इस बाढ़ से पांच लोगों की मौत हुई है। इंडियाना के गवर्नर माइक ब्रॉन ने गुरुवार को राज्य में आपात स्थिति घोषित की और नेशनल गार्ड को राहत कार्यों के लिए लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य की पूरी मशीनरी को सक्रिय कर दिया गया है और जरूरत के हिसाब से संसाधन प्रभावित इलाकों में भेजे जा रहे हैं। गवर्नर ने राष्ट्रपति से संघीय आपात घोषणा करने का अनुरोध भी किया है, ताकि राहत और बचाव के लिए अतिरिक्त संसाधन मिल सकें। इंडियानापोलिस के मेयर जो हॉगसेट ने भी नदी के आसपास रहने वाले लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है।

155 साल में सबसे भीषण तूफान का खतरा, हवाई के बिग आईलैंड की ओर बढ़ा तूफान; क्या मचेगी तबाही

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के हवाई द्वीप समूह में तूफान लाला ने खतरे की घंटी बजा दी है। यह तूफान शनिवार को एक बड़े द्वीप यानी बिग आईलैंड की ओर बढ़ रहा था और इसके द्वीप के दक्षिणी हिस्से के पास पहुंचने का अनुमान है। अगर लाला सीधे द्वीप से टकराता है तो यह 155 साल में पहली बार होगा। तूफान की अधिकतम लगातार हवा की रफ्तार 120 किलोमीटर प्रति घंटा पहुंच गई है। प्रशासन ने लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने की सलाह दी है और कई इलाकों में आश्रय केंद्र खोल दिए गए हैं। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार, तूफान लाला बिग आईलैंड के दक्षिणी सिरे के बहुत करीब से गुजर सकता है। इससे पहले 1871 में श्रेणी-3 का तूफान बिग आईलैंड के उत्तर-पूर्वी हिस्से से टकराया था। इसके बाद ऐसा कोई तूफान नहीं आया, जिसने द्वीप पर सीधे दस्तक दी हो। लाला का रास्ता दक्षिणी हिस्से की ओर बताया गया है। हालांकि, अधिकारियों ने कहा है कि तूफान के सीधे जमीन से टकराए बिना भी भारी नुकसान हो सकता है। राष्ट्रीय तूफान केंद्र के अनुसार, लाला की अधिकतम लगातार हवा की रफ्तार 120 किलोमीटर प्रति घंटा हो गई है और इसे श्रेणी-1 का तूफान घोषित किया गया है। इसके कारण बिग आईलैंड के दक्षिणी हिस्से में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश होने की आशंका है। मौसम विशेषज्ञों ने बताया कि समुद्र तल से हजारों फीट ऊपर स्थित ज्वालामुखीय ढलानों पर तूफान का असर ज्यादा गंभीर हो सकता है। ऊंचाई वाले इलाकों में 63.5 सेंटीमीटर तक बारिश का अनुमान है।

पांच घायल; पुलिस से बचने के लिए अलमारी में छिपा 19 वर्षीय आरोपी

वर्जीनिया यूनिवर्सिटी में गोलीबारी से हड़कंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की वर्जीनिया स्टेट यूनिवर्सिटी में शनिवार तड़के हुई गोलीबारी के मामले में पुलिस ने 19 वर्षीय कैमरन हैरिस को कैंपस की एक डॉरमिटरी की अलमारी से गिरफ्तार किया है। घटना में पांच लोग घायल हुए, जिनमें एक की हालत गंभीर थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आठ गंभीर अपराधों के वारंट हासिल किए हैं। घटना के बाद लगाए गए कैंपस लॉकडाउन को हटा दिया गया है और जांच में कई कानून प्रवर्तन एजेंसियां सहयोग कर रही हैं। गोलीबारी के पीछे की वजह अभी सामने नहीं आई है। चेस्टरफील्ड काउंटी पुलिस ने एक बयान में बताया कि हेनरिको, वर्जीनिया निवासी कैमरन हैरिस कैंपस का छात्र नहीं है। गोलीबारी में घायल हुए चार लोग भी यूनिवर्सिटी के छात्र नहीं थे। घायलों की उम्र 17 से 23 वर्ष के बीच है। अधिकारियों के मुताबिक, घायलों में शामिल 20 वर्षीय एक छात्र को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। पुलिस ने अभी तक किसी भी पीड़ित का नाम सार्वजनिक नहीं किया है।

अधिकारियों ने घटना के संभावित मकसद को लेकर फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी है। पुलिस ने हेनरिको के खिलाफ आठ गंभीर अपराधों यानी फेलनी के वारंट हासिल किए हैं। इनमें जान-बूझकर किसी व्यक्ति को घायल करना और गंभीर अपराध के दौरान बंदूक का इस्तेमाल करना जैसी धाराएं शामिल हैं। यह भी तत्काल

स्पष्ट नहीं हो सका कि आरोपी की ओर से पैरवी करने के लिए कोई वकील मौजूद है या नहीं।

यूनिवर्सिटी ने इससे पहले जारी बयान में कहा था कि अधिकारी कई संदिग्धों की तलाश कर रहे हैं। हालांकि, शनिवार शाम तक पुलिस ने तलाशी अभियान को लेकर कोई अतिरिक्त जानकारी साझा नहीं की। यूनिवर्सिटी अधिकारियों ने दिन में पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों को कैंपस समुदाय के लिए अब किसी तत्काल खतरे की आशंका नहीं है। इसके बाद कैंपस में लगाया गया लॉकडाउन हटा दिया गया।

शनिवार तड़के करीब 1:30 बजे के बाद हुई गोलीबारी के चलते पूरे कैंपस में लॉकडाउन लागू करना पड़ा। यह घटना ऐसे समय हुई, जब छात्र नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के लिए कैंपस लौट रहे थे और तैयारियों में जुटे थे।

गोलीबारी की घटना यूनिवर्सिटी के क्वाड एनेक्सेस के पास हुई। सूचना मिलते ही कैंपस पुलिस और चेस्टरफील्ड काउंटी के अधिकारी मौके पर पहुंचे। वहां उन्हें कैंपस डॉरमिटरी के बाहर गोली लगने से घायल पांच लोग मिले।

यूनिवर्सिटी की वेबसाइट के मुताबिक, छात्रों के लिए रेजिडेंस हॉल एक सप्ताह पहले ही खोल दिए गए थे, जबकि कक्षाएं सोमवार से शुरू होनी हैं। कई छात्र नए विद्यार्थियों के स्वागत और उनके कैंपस जीवन की शुरुआत से जुड़े यूनिवर्सिटी के न्यू ट्रोजन एक्सपीरियंस कार्यक्रम में भी हाल ही में शामिल हुए थे। यूनिवर्सिटी ने अपने बयान में कहा,हम समझते हैं कि इस घटना ने हमारे छात्रों, अभिभावकों, पूर्व छात्रों, दोस्तों और व्यापक ट्रूज़ समुदाय के बीच चिंता पैदा की है। हमारे छात्रों की सुरक्षा और भलाई हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

शनिवार सुबह कैंपस में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहे। यूनिवर्सिटी ने छात्रों को सलाह दी कि वे अतिरिक्त सुरक्षा उपायों और उपलब्ध सहायता सेवाओं से जुड़ी जानकारी के लिए अपने ईमेल नियमित रूप से चेक करते रहें। काउंटी पुलिस के अनुसार, ब्यूरो ऑफ अल्कोहल, टोबैको, फायरआर्म्स एंड एक्सप्लोसिव्स और हनोवर काउंटी शेरिफ ऑफिस भी जांच में सहायता कर रहे हैं। वर्जीनिया स्टेट यूनिवर्सिटी वर्जीनिया के एट्रिक में स्थित एक ऐतिहासिक रूप से अश्वेत यूनिवर्सिटी है। यह राज्य की राजधानी रिचमंड से करीब 39 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। इस सार्वजनिक विश्वविद्यालय में लगभग 5,700 छात्र पढ़ते हैं।

तीन पायलट, दो एसयू-24 और हिरासत का दावाः ईरान के दावे को दोहा ने किया खारिज- अब आमने-सामने दोहा और तेहरान

तेहरान, एजेंसी। कतर ने तीन ईरानी पायलटों को छह महीने से हिरासत में रखने के ईरानी मीडिया के दावे को पूरी तरह खारिज कर दिया है। कतर का कहना है कि उसने कथित हवाई क्षेत्र उल्लंघन के दौरान नियमों के तहत कार्रवाई की और बाद में खोज एवं बचाव अभियान भी चलाया। वहीं, ईरान ने तीन पायलटों के कतरी हिरासत में होने का दावा करते हुए उनसे मुलाकात की अनुमति देने की मांग की है। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजेद मोहम्मद अल-अंसारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कतरी हवाई क्षेत्र के कथित उल्लंघन के मामले में ईरानी पायलटों से संपर्क किया गया था। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने उनके विमान की दिशा और टारगेट की ओर बढ़ने वाले प्रक्षेप पथ की भी पुष्टि की थी। प्रवक्ता ने कहा, हम ईरानी पायलटों की हिरासत के बारे में फैलाए जा रहे दावों का सख्ती से खंडन करते हैं और इस खास समय पर ऐसे गुमराह करने वाले बयानों से हम हैरानी है।

अल-अंसारी ने बताया कि कतरी अधिकारियों ने पायलटों से संपर्क करने की कोशिश की थी। जब उनकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला, तो अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत कतरी क्षेत्र की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने से पहले निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं का पालन किया गया। उन्होंने कहा कि कतर ने उस समय आधिकारिक माध्यमों के जरिए पूरे मामले को स्पष्ट कर दिया था। खोज और बचाव अभियान का जिक्र करते हुए कतर ने कहा कि उसकी टीमों ने पायलटों के अवशेषों की तलाश की थी। बाद में ईरान के साथ समन्वय करते हुए एक पायलट के मिले अवशेष सौंपे गए। प्रवक्ता ने कहा, कतर की खोज और बचाव टीमों ने, जिनके पास वैश्विक स्तर की दक्षता और विशेषज्ञता है, पायलटों के अवशेषों की तलाश में अपना कर्तव्य पूरी तरह से निभाया। कतर ने यह भी कहा कि उसने पिछले अप्रैल में एक ईरानी टीम को खोज और बचाव अभियान से जुड़े विवरण की समीक्षा करने और पूरी जानकारी हासिल करने के लिए आमंत्रित किया था। हालांकि, कतर के मुताबिक ईरानी पक्ष ने अब तक इस निमंत्रण का कोई जवाब नहीं दिया है। अल-अंसारी ने कहा,इसके अलावा, पिछले अप्रैल में एक टीम को खोज और बचाव अभियान के विवरण के बारे में जानने के लिए आमंत्रित किया गया था, जिसका ईरानी पक्ष ने आज तक कोई जवाब नहीं दिया है।

हम मुसलमान हैं, हम सहन करते हैं, पाक के हिंदुओं को लेकर आसिफ जरदारी ने क्या कहा अखंड भारत का भी जिक्र किया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के लिए दुनियाभर में बदनाम है। अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के लोगों के गंभीर उत्पीड़न, जबरन धर्म परिवर्तन के मामले आए दिन सामने आते हैं और उनकी आबादी में भी भारी गिरावट आई है। हालांकि, पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने इसके विपरीत दावा किया है। जरदारी ने कहा कि पाकिस्तान में रहने वाले हिंदू भी उतने ही आजाद हैं, जितने किसी और जगह पर हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि पाकिस्तान के हिंदू भारत में रहने के बजाय पाकिस्तान में रहना पसंद करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान में ऐसे मुसलमान हैं, जिनकी सोच है कि वे हिंदुओं को बर्दाश्त करते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जरदारी ने 14 अगस्त को इस्लामाबाद में यादगार-ए-फतह विजय स्मारक समारोह में एक सभा को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। यह समारोह पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर आयोजित किया गया था। पाकिस्तान के राष्ट्रपति ने ये बातें भारत और पाकिस्तान की सोच में अंतर बताते हुए कहीं। जरदारी ने भारत के अखंड भारत में विश्वास का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इसके बीच बहुत कुछ ऐसा है, जिसे भारतीय भूल गए हैं। इसके बाद उन्होंने पाकिस्तान की पहचान एक इस्लामी देश के रूप में बताई। पाकिस्तान में रहने वाले हिंदुओं के प्रति अपने देश के रवैये पर बात करते हुए जरदारी ने कहा, हम मुसलमान हैं और हमारी सोच है कि हम बर्दाश्त करते हैं। उन्होंने आगे दावा किया, पाकिस्तान में तीन से चार प्रतिशत हिंदू आबादी है और वे उतने ही आजाद हैं, उतने ही अच्छे हाल में हैं, जितने वे कहीं और थे।

ट्रंप ने साझा की किम संग तस्वीरः चेहरे पर नहीं दिखी मुस्कान; फिर क्यों बोले- हम बहुत अच्छे से मिलते हैं

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के साथ अपनी एक पुरानी तस्वीर साझा की। इन तस्वीरों में दोनों के चेहरे गंभीर नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर को लेकर ट्रंप ने मजाक किया। उन्होंने कहा कि किम जोंग उन और उनके बीच अच्छे संबंध हैं। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, इस खास तस्वीर में भले ही हमारे चेहरे दोस्ताना नहीं दिख रहे हैं। लेकिन ऐसी कई तस्वीरें हैं, जिनमें हम मुस्कुरा रहे हैं। किम जोंग उन और मैं बहुत अच्छे से मिलते हैं। इसके अलावा, ट्रंप ने एआई से बनाई हुई तस्वीरें भी पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में वह अमेरिका के पहले राष्ट्रपति जॉर्ज वाशिंगटन के साथ नजर आ रहे हैं। एक तस्वीर में दोनों के हाथों में कलम दिख रहे हैं। वहीं, दूसरी तस्वीर में दोनों घोड़े पर नजर आ रहे हैं। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया, जब उत्तर कोरिया अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच होने वाले आगामी सैन्य अभ्यासों की आलोचना कर रहा है। उत्तर कोरिया का कहना है कि इन सैन्य अभ्यासों से कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव और बढ़ेगा। अमेरिका और दक्षिण कोरिया का संयुक्त सैन्य अभ्यास उलची फ्रीडम शील्ड 17 अगस्त से शुरू होने वाला है। यह अभ्यास 27 अगस्त तक चलेगा। इन सैन्य अभ्यासों में ड्रोन से निपटने, जीपीएस में रुकावट पैदा होने की स्थिति से निपटने और साइबर हमलों का सामना करने का प्रशिक्षण शामिल होगा। अमेरिका और उसके सहयोगी देश इन अभ्यासों के जरिये उत्तर कोरिया की बदलती सैन्य क्षमताओं के अनुसार अपनी तैयारी बेहतर करना चाहते हैं। उत्तर कोरिया लगातार अमेरिका और दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यासों की आलोचना करता रहा है। वह इन अभ्यासों को उकसावे वाली कार्रवाई बताता है। उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने शुक्रवार को कहा, अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया के बीच सैन्य सहयोग धीरे-धीरे एक परमाणु गठबंधन में बदल रहा है। प्रवक्ता ने कहा, अमेरिका-जापान-दक्षिण कोरिया का सैन्य सहयोग एक परमाणु गठबंधन में बदल रहा है और उत्तर कोरिया खतरे के नए स्तर का जवाब रोकने की क्षमता के नए स्तर से देगा।

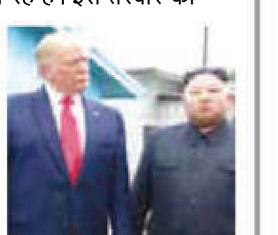

अमेरिका में दो गोलीकांडः वर्जीनिया यूनिवर्सिटी में चली गोलियां, मिशिगन में छह की मौत; कब थमेगा मौत का सिलसिला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में गोलीबारी की दो अलग-अलग घटनाओं ने एक बार फिर सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। वर्जीनिया स्टेट यूनिवर्सिटी में शनिवार तड़के हुई गोलीबारी में पांच लोग घायल हो गए, जिनमें कम से कम एक छात्र शामिल है। इसी दौरान मिशिगन में शुक्रवार को हुई कई गोलीबारी की घटनाओं में एक 16 वर्षीय किशोर समेत पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि पुलिस ने संदिग्ध हमलावर को भी मृत पाया। दोनों घटनाओं की जांच जारी है और इनके पीछे की वजह अभी साफ नहीं हुई है।

वर्जीनिया स्टेट यूनिवर्सिटी के क्वाड एनेक्सेस के पास शनिवार सुबह गोलीबारी हुई। कैंपस पुलिस और चेस्टरफील्ड काउंटी के अधिकारियों को छात्रावासों के बाहर पांच लोग गोली लगने से घायल मिले। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। शुरुआत में एक घायल की हालत जानलेवा बताई गई थी, लेकिन बाद में उसकी हालत गंभीर बताई गई। बाकी घायलों को जानलेवा चोटें नहीं आईं। विश्वविद्यालय ने पुष्टि की कि घायलों में कम से कम एक छात्र था और उसे अस्पताल से छुट्टी भी मिल गई। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने इस मामले में 19 साल के एक युवक को गिरफ्तार किया है।

घटना के बाद विश्वविद्यालय में लॉकडाउन लगा दिया गया और बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। विश्वविद्यालय ने बताया कि गोलीबारी में कई संदिग्ध शामिल हो सकते हैं। बाद में कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने कहा कि कैंपस समुदाय के लिए तत्काल खतरा नहीं माना जा रहा है और लॉकडाउन हटा दिया गया। छात्रों को ईमेल देखते रहने और आगे की सुरक्षा संबंधी जानकारी पर नजर रखने को कहा गया। घटना ऐसे समय हुई, जब नए शैक्षणिक सत्र के लिए छात्र परिसर में लौट रहे थे और सोमवार से कक्षाएं शुरू होनी थीं।

मिशिगन के मिसॉकी काउंटी में शुक्रवार को गोलीबारी की अलग-अलग घटनाओं ने पूरे इलाके को हिला दिया। पुलिस को एक घर से 16 वर्षीय लड़के, 45 वर्षीय पुरुष और 40 वर्षीय महिला के शव मिले। वहां 13 वर्षीय लड़की भी गंभीर हालत में मिली, लेकिन वह बच गई। इसके बाद पुलिस को दूसरी जगह 53 वर्षीय पुरुष का शव मिला। बाद में जंगल में 29 वर्षीय महिला का शव संदिग्ध हमलावर चाड हिकमैन के शव के साथ मिला। पुलिस के अनुसार सभी मृतकों की मौत गोली लगने से हुई।

मिशिगन की घटना में पुलिस ने बताया कि पहली गोलीबारी के बाद संदिग्ध हमलावर वहां से भाग गया था। इसके बाद इलाके में बड़े स्तर पर तलाशी अभियान चलाया गया। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों की जांच करते हुए आखिरकार जंगल में संदिग्ध हिकमैन और एक महिला का शव बरामद किया। अधिकारियों ने बताया कि जांच अभी जारी है। पुलिस ने मृतकों की उम्र और लिंग की जानकारी दी है, लेकिन यह साफ नहीं किया है कि मृतक आपस में या संदिग्ध हमलावर से किस रिश्ते में थे। हिकमैन को 2024 में बच्चों से जुड़े एक मामले में दोषी ठहराया गया था और उसे एक साल की जेल की सजा मिली थी।

वर्जीनिया की घटना का समय खास तौर पर चिंताजनक माना जा रहा है, क्योंकि विश्वविद्यालय में नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत होने वाली थी। विश्वविद्यालय में करीब 5,700 छात्र पढ़ते हैं और यह ऐतिहासिक रूप से अश्वेत अमेरिकी छात्रों के लिए स्थापित विश्वविद्यालयों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। गोलीबारी के बाद परिसर में पुलिस की भारी मौजूदगी रही। मिशिगन की घटना ने भी स्थानीय समुदाय को झकझोर दिया है। दोनों घटनाओं में पुलिस और प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक गोलीबारी के पीछे का कारण सामने नहीं आया है।

वर्जीनिया में घायल छात्र को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और बाकी घायलों में किसी की चोट को तत्काल जानलेवा नहीं बताया गया है। विश्वविद्यालय ने छात्रों, अभिभावकों, पूर्व छात्रों और पूरे समुदाय की चिंता को समझने की बात कही है और सुरक्षा तथा छात्रों की भलाई को प्राथमिकता बताया है। मिशिगन में 13 वर्षीय लड़की के बचने की जानकारी सामने आई है, जबकि छह लोगों की जान जा चुकी है। वर्जीनिया की गवर्नर और एक सीनेटर ने घटना पर दुख जताते हुए घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

इंडोनेशिया में फिर कांपी धरतीः पिछले भूकंप के केंद्र से कितनी दूर गल्फ ऑफ टॉमिनी, नुकसान पर सरकार क्या बोली

नुसंतारा, एजेंसी। इंडोनेशिया में शनिवार को कुछ ही घंटों के भीतर तीसरे भूकंप ने चिंता बढ़ा दी है। रात में गल्फ ऑफ टॉमिनी में 6.0 तीव्रता का भूकंप आया। इससे पहले इसी दिन 6.5 तीव्रता का भूकंप और सुबह 7.7 तीव्रता का बेहद शक्तिशाली भूकंप आया था। सुबह के भूकंप में कम से कम 38 लोगों की मौत हुई, कई लोग घायल हुए और बड़ी संख्या में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। लगातार भूकंप के झटकों से राहत और बचाव अभियान भी प्रभावित हो रहा है। गल्फ ऑफ टॉमिनी में भूकंप कितनी तीव्रता का था राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, शनिवार रात गल्फ ऑफ टॉमिनी में 6.0 तीव्रता का भूकंप आया। यह भूकंप भारतीय समयानुसार रात 9 बजकर 55 मिनट पर आया। इसकी गहराई जमीन के अंदर 68 किलोमीटर थी। भूकंप का केंद्र गल्फ ऑफ टॉमिनी में दर्ज किया गया। यह झटका उस समय आया जब इंडोनेशिया पहले से ही दिन में आए दो बड़े भूकंपों के असर से जूझ रहा था। सुबह आया 7.7 तीव्रता का भूकंप इंडोनेशिया के फ्लोरेस क्षेत्र में आया था। उसका केंद्र पूर्वी नुसा तेंगारा प्रांत के एंडे शहर से करीब 68 किलोमीटर उत्तर-उत्तर-पश्चिम में था। वहीं रात का 6.0 तीव्रता वाला भूकंप गल्फ ऑफ टॉमिनी में 0.174 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 120.312 डिग्री पूर्वी देशांतर पर दर्ज किया गया। उपलब्ध जानकारी में दोनों भूकंपों के केंद्रों के बीच सीधी दूरी नहीं बताई गई है। इसलिए दिए गए आंकड़ों के आधार पर उनकी सटीक दूरी तय करना संभव नहीं है। भूकंप ने इंडोनेशिया के कई इलाकों में भारी नुकसान पहुंचाया। सरकारी आपदा एजेंसी के प्रमुख सुहारयांतो के अनुसार, 38 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए और 11 लोगों को मामूली चोटें आईं। करीब 2,000 लोग अपने स्तर पर घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर चले गए। भूकंप के बाद कई जगहों पर भूस्खलन भी हुआ, जिससे बचाव दल के सामने नई चुनौती खड़ी हो गई।

लेबनान में इस्राइली हमले में 11 की मौत

तेहरान, एजेंसी। ईरान और इस्राइल से जुड़े संघर्ष के बीच पश्चिम एशिया में तनाव लगातार गंभीर होता जा रहा है। शनिवार को एक साथ कई घटनाओं ने चिंता बढ़ा दी। ईरान ने कतर पर उसके तीन पायलटों को पकड़े रखने का आरोप लगाया, जिसे कतर ने तुरंत खारिज कर दिया। वहीं संयुक्त अरब अमीरात ने होर्मुज जलडमरूमध्य में उसके एक तेल टैंकर पर फिर हमला होने की बात कही। दक्षिणी लेबनान में इस्राइली हवाई हमलों में कम से कम 11 लोगों की मौत हुई है। यमन में हूतियों ने लाल सागर के एक बंदरगाह पर भी हमला किया। ईरान के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ की लापता लोगों से जुड़ी समिति ने दावा किया कि मार्च में विमान गिराए जाने के बाद लापता हुए उसके तीन पायलट कतर की सेना के कब्जे में हैं। ईरान का कहना है कि कतर ने इन पायलटों को उनके परिवार और मामले से जुड़े ईरानी अधिकारियों से मिलने या संपर्क करने की अनुमति नहीं दी। ईरान ने अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस समिति के अध्यक्ष से मामले में मदद मांगी है। ईरान ने यह भी कहा कि चौथा पायलट कतर में एक सैन्य ठिकाने को निशाना बनाने के अभियान के दौरान मारा गया था। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल अंसारी ने ईरान के दावे को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि कतर की खोज और बचाव टीमों ने गिराए गए विमानों में से एक के अवशेष बरामद किए थे। उनके अनुसार, ईरान को अप्रैल में घटनास्थल पर आने और खोज अभियान की जानकारी लेने के लिए आमंत्रित किया गया था, लेकिन ईरान की ओर से कोई जवाब नहीं मिला। ईरान

का यह दावा इसलिए भी अहम है क्योंकि अब तक उसने लापता पायलटों के बारे में कोई जानकारी नहीं होने की बात कही थी। संयुक्त अरब अमीरात की सरकारी तेल और गैस कंपनी एडीएनओसी के एक टैंकर पर होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरते समय हमला हुआ। घटना शुक्रवार शाम की बताई गई है और इसमें किसी के घायल होने की खबर नहीं है। यूएई के अनुसार, पिछले एक सप्ताह में एडीएनओसी से जुड़े जहाज पर यह तीसरा हमला है। ब्रिटेन के समुद्री व्यापार संचालन केंद्र ने भी बताया कि शुक्रवार को एक मालवाहक जहाज के ढांचे पर अज्ञात वस्तु से हमला हुआ। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि दोनों घटनाओं में वही जहाज शामिल था या नहीं। होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी के मुहाने पर स्थित बेहद महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता है। युद्ध शुरू होने से पहले दुनिया के व्यापार में आने वाले करीब पांचवें हिस्से के तेल और प्राकृतिक गैस की आवाजाही इसी रास्ते से होती थी। युद्ध शुरू होने के बाद ईरान ने इस जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण जताया है। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत रुक गई है, जबकि ईरान ओमान के साथ इस रास्ते को संभालने के तरीके पर बातचीत कर रहा है। ऐसे में यहां किसी भी हमले से तेल और गैस की आपूर्ति पर असर पड़ने की चिंता बढ़ सकती है। दक्षिणी लेबनान में शनिवार को इस्राइली हवाई हमलों में कम से कम 11 लोगों की मौत हुई। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय और सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, अंसार गांव के किनारे एक घर को निशाना बनाया गया।

दिल्ली मार्च की अनुमति दें : डल्लेवाल ने मोदी और हरियाणा सरकार से की अपील

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय किसान यूनियन एकता (सिद्धूपुर) के प्रमुख जगजीत सिंह डल्लेवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा सरकार से अपील की है कि वे भारत-अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते का विरोध कर रहे किसानों को दिल्ली की ओर बढ़ने दें। किसान खनौरी बॉर्डर पर फंसे हुए हैं। डल्लेवाल ने कहा कि किसान सीमित संख्या में शांतिपूर्ण पैदल मार्च करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें खनौरी बॉर्डर पर रोक दिया गया है। उन्होंने बताया कि रात होने पर भी किसान सड़क किनारे सो रहे हैं, पर दृढ़ हैं। उनका कहना था कि हरियाणा सरकार से उनका कोई झगड़ा नहीं है, वे केवल दिल्ली तक पहुंचना चाहते हैं। किसान नेता ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को महत्वपूर्ण मुद्दा बताते हुए एमएसपी की कानूनी गारंटी, कृषि ऋण माफी और स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू करने को मुख्य मांग बताया। उन्होंने सरकार से इन मांगों पर तुरंत कार्रवाई का आग्रह किया। डल्लेवाल ने पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से मामले का संज्ञान लेकर रास्ता दिखाने की मांग की। हरियाणा पुलिस ने किसानों के दिल्ली मार्च को रोकने के लिए खनौरी चेकपॉइंट पर भारी बैरिकेडिंग की है, जिससे किसान वहीं रात बिताने को मजबूर हैं।

गाजियाबाद में चाइनीज मांझे से युवक की गर्दन कटी, मौत

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद के कौशांबी थाना क्षेत्र में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक बार फिर प्रतिबंधित चाइनीज मांझे का कहर देखने को मिला। एनएच-9 पर मीडिया हाउस के पास चाइनीज मांझे की चपेट में आने से बाइक सवार रवि राज (28) की गर्दन बुरी तरह कट गई, जिससे अधिक रक्तस्राव के कारण उसकी मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना ने एक बार फिर प्रशासन के दावों और जानलेवा मांझे के प्रतिबंध पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। नोएडा के अकबरपुर बहरामपुर निवासी रवि राज अपने साथी नरेश के साथ स्वतंत्रता दिवस के दिन एनएच-9 से बाइक पर गुजर रहा था। इसी दौरान अचानक हवा में लटका एक तेज धार वाला चाइनीज मांझा उसकी गर्दन में उलझ गया। मांझे की धार इतनी तेज थी कि उसने रवि राज की गर्दन को बुरी तरह काट दिया, जिससे वह बाइक से गिरकर सड़क पर लहूलुहान हो गया। हादसे के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। साथी नरेश ने खून रोकने की भरसक कोशिश की, लेकिन गहरा जख्म होने के कारण रक्तस्राव अनियंत्रित रहा। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल रवि राज को वैशाली स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। इस घटना से जुड़ा एक भयावह वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें रवि राज गंभीर हालत में सड़क पर पड़ा दिखाई दे रहा है। यह हादसा एक बार फिर प्रतिबंधित चाइनीज मांझे के खुलेआम इस्तेमाल और बिक्री को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है। लोगों का आरोप है कि प्रतिबंध के बावजूद यह जानलेवा मांझा बाजारों में धड़ल्ले से बिक रहा है। स्थानीय निवासियों ने पुलिस और प्रशासन से मांझे की बिक्री करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और इसकी सप्लाई चेन को पूरी तरह तोड़ने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी कोई और जान इस खतरनाक डोर की वजह से न जाए। प्रशासनिक निगरानी की कमी और प्रभावी प्रतिबंध लागू न हो पाना ऐसे हादसों का मुख्य कारण बनता जा रहा है।

पीएम मोदी से हाथ मिलाने वाले बच्चे का रिएक्शन हुआ वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्कूली बच्चों के साथ एक यादगार और भावुक पल सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हुआ है। हाल ही में हुए स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान, भाषण समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बच्चों, एनसीसी कैडेट्स और माई भारत स्वयंसेवकों के बीच पहुंचे। इस दौरान बच्चों में प्रधानमंत्री मोदी को अपने करीब देखकर अभूतपूर्व उत्साह और उत्सुकता देखने को मिली। वायरल वीडियो में प्रधानमंत्री मोदी को लाल साफा पहने बच्चों की कतार की तरफ बढ़ते हुए देखा जा सकता है। जैसे ही बच्चों को एहसास होता है कि पीएम मोदी उनकी तरफ आ रहे हैं, उनका एक्साइटमेंट लेवल बढ़ जाता है। इसी दौरान भीड़ में से एक उत्साहित आवाज़ सुनाई देती है- यार! ओ भाई! गाइज मैंने अभी-अभी पीएम मोदी से हाथ मिलाया है, सब्सक्राइब माय फ्रेंड। यह हल्का-फुल्का और मासूम पल तुरंत सबका ध्यान खींचने लगा और लोगों को खूब पसंद आया। इस मौके पर एक और हृदयस्पर्शी दृश्य भी सामने आया, जब एक बच्ची का पैर छूते वक्त उसकी टोपी गिर गई और प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं झुककर टोपी उठाकर बच्ची को पहनाई। ये दोनों ही क्षण दिखाते हैं कि कैसे बच्चे और युवा प्रधानमंत्री मोदी को करीब से देखकर अपनी खुशी छिपा नहीं पा रहे थे। यह वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोग बच्चों की मासूमियत और उत्सुकता भरे रिएक्शन को खूब सराह रहे हैं। हजारों की संख्या में शेयर किया जा रहा है।

वंदे मातरम् न गाने के विरोध में सीएम सतीशन का पुतला फूंका

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस पर केरल में वंदे मातरम् नहीं गाए जाने के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा ने रविवार को प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन और पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना के पुतले जलाए। युवा मोर्चा के कार्यकर्ता मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास 'क्लिफ हाउस' तक पहुंचे और वहां विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा के प्रदेश महासचिव एस. सुरेश ने प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए आरोप लगाया कि भारत के विभाजन का नेतृत्व करने वाले जिन्ना की तरह ही मुख्यमंत्री सतीशन भी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और जमात-ए-इस्लामी के दबाव में काम कर रहे हैं। एस. सुरेश ने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासित अन्य राज्यों में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वंदे मातरम् गाया गया, लेकिन केरल में ऐसा नहीं किया गया। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस मुस्लिम लीग और अन्य संगठनों के दबाव में है। भाजपा नेता ने कहा कि वंदे मातरम् को लेकर राज्य के विभिन्न हिस्सों में भी विरोध प्रदर्शन किए गए। प्रदर्शन के दौरान भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शोन जॉर्ज, शहर जिला अध्यक्ष करमना जयन और युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वी. मनुप्रसाद समेत कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छात्रों का दर्द: देशद्रोही और आतंकवादी कहा, 6 घंटे बंधक बनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर देश के युवाओं और छात्र-छात्राओं के साहस की सराहना की है। उन्होंने कहा कि युवाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन के खिलाफ मजबूती से खड़े होकर जवाबदेही की मांग की और यह संघर्ष शांति, संयम, प्रेम और हास्य के साथ लड़ा। राहुल गांधी ने करीब साढ़े दस मिनट का एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें वे नीट प्रदर्शन में शामिल रहे छात्रों से बातचीत करते नजर आ रहे हैं। छात्रों ने बातचीत के दौरान पुलिस कार्रवाई, कथित लाठीचार्ज और हिरासत से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। उनका आरोप था कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने बर्बरता की और कई छात्रों के साथ दुर्व्यवहार किया। कुछ छात्रों ने पैलेट गन के इस्तेमाल का भी दावा किया और गंभीर रूप से घायल होने की घटनाएं बताईं।

छात्रों ने यह भी आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों को देशद्रोही और आतंकवादी कहा गया, कई लोगों को घंटों तक हिरासत में रखा गया और उनके मोबाइल फोन ले लिए गए। कुछ छात्राओं ने सोशल मीडिया पर तस्वीरों और वीडियो के गलत इस्तेमाल तथा मानसिक प्रताड़ना का आरोप भी लगाया।

छात्रों ने दावा किया कि कुछ लड़कियों को कैमरे के सामने माफी मांगने के लिए मजबूर किया गया, जबकि उन्होंने कोई गलती नहीं की थी। उन्होंने सवाल उठाया कि जब माफी स्वेच्छा से नहीं मांगी गई थी तो उसे स्वीकार करने का क्या औचित्य था। छात्रों ने पूरी घटना को दिखावा करार दिया।

राहुल गांधी ने विशेष रूप से छात्राओं के संघर्ष और हिम्मत की तारीफ की। उन्होंने कहा कि मुश्किल परिस्थितियों, कथित बदसलूकी, धमकियों और दबाव के बावजूद लड़कियों का हौसला नहीं टूटा है। उनका कहना है कि देश की बेटियों की आवाज अब दबाई नहीं जा सकेगी। राहुल गांधी ने बताया कि 22 अगस्त को पुणे में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम विशेष रूप से लड़कियों के लिए होगा, जहां वे खुलकर अपनी बात रखेंगी। उन्होंने युवाओं और आम लोगों से इस मुहिम से जुड़ने की अपील की है। इसके लिए पोस्ट में रजिस्ट्रेशन की जानकारी और क्यूआर कोड भी साझा किया गया है।

कर्नाटक में 3 तमिलों की हत्या की मुख्यमंत्री विजय ने कड़ी निंदा की, निष्पक्ष जांच की मांग

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने कर्नाटक वन विभाग की गोलीबारी में तीन ''तमिलों'' के मारे जाने की कड़ी निंदा की है। यह घटना 15 अगस्त की सुबह चामराजनगर जिले के हनूर तालुक में कावेरी वन्यजीव अभयारण्य इलाके में हुई थी, जिसमें एंथनी सैमी, जॉन रोज पीटर और कुमार नामक 3 लोग मारे गए थे। मुख्यमंत्री विजय ने घटना को बेहद पीड़ादायक और निर्मम हत्या बताकर कर्नाटक वन विभाग द्वारा दी गई सफाई को अस्वीकार्य बताया है। उन्होंने एक उच्च-स्तरीय और निष्पक्ष जांच की मांग की है, जिससे दोषियों को उचित सजा मिले और पीड़ितों के परिवारों को पड़ोसी राज्य से आवश्यक मुआवजा प्राप्त हो सके। विजय ने कर्नाटक सरकार से भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने का आग्रह किया। वहीं द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष और पूर्व सीएम एम.के. स्टालिन ने क्रूर और अमानवीय कृत्य पर हैरानी जताकर तमिलनाडु सरकार से मेकेदातु बांध के मुद्दे की तरह मामले में चुप नहीं रहने का आग्रह किया है। दूसरी ओर, कर्नाटक वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह घातक घटना शनिवार सुबह शग्या रेंज के घने वन क्षेत्र में हुई, जब संदिग्ध शिकार गतिविधि की सूचना पर वनकर्मियों का सामना चार लोगों से हुआ, जिसमें से एक मौके से फरार हो गया। मारे गए लोगों में से एक की पत्नी की शिकायत के आधार पर, हनूर पुलिस ने घटना में शामिल वन अधिकारियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 (1) (हत्या की सजा से संबंधित) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने मामले में मजिस्ट्रेट जांच के आदेश देने की बात कहकर मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने का आश्वासन दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच में गोलीबारी से जुड़ी परिस्थितियों, जिसमें आत्मरक्षा या गोलीबारी की शुरुआत किसने की, का पता लगाया जाएगा।

कांग्रेस नेता ने आरएसएस को जैश-तालिबान से जोड़ा, रजिस्ट्रेशन पर बहस गर्म

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष बी.के. हरिप्रसाद ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तुलना जैश-ए-मोहम्मद और तालिबान से कर नया विवाद खड़ा किया है। बेंगलुरु में कांग्रेस नेता हरिप्रसाद ने कहा कि इन तीनों संगठनों में कोई अंतर नहीं है क्योंकि ये सभी भारत में रजिस्टर्ड नहीं हैं।

उन्होंने वंदे मातरम और राष्ट्रगान से जुड़े विवादों का जिक्र कर कहा कि केरल के वाइस चांसलर मोहनन कुन्नुम्मल ने आरएसएस के बारे में बिल्कुल सही कहा था, जो न राष्ट्रगान गाते हैं और न ही तिरंगा फहराते हैं। ये टिप्पणियां सोनिया और राहुल गांधी के खिलाफ वंदे मातरम में कथित बाधा डालने पर एफआईआर दर्ज होने और वीसी कुन्नुम्मल द्वारा हाल ही में राष्ट्रगीत का विरोध करने वालों की निंदा के बाद आई हैं।

आरएसएस के पंजीकरण को लेकर छिड़ी बहस के बीच, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी.एल.संतोष ने पलटवार कर कहा कि संघ को कानूनी रजिस्ट्रेशन की ज़रूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि संगठन की पहचान कागज़ी कार्रवाई से नहीं, बल्कि जनता के भरोसे से होती है और यह 1925 से बिना किसी कानूनी दर्जे के सफलतापूर्वक काम कर रहा है। संतोष ने विभाजन जैसे मुश्किल समय में भी आरएसएस के योगदान को रेखांकित किया।

इस पर प्रतिक्रिया देकर कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने संघ से स्पष्ट करने की मांग की कि वह किन भारतीय कानूनों के तहत संपत्ति रखती है, बैंक खाते चलाती है और दान प्राप्त करती है। उन्होंने कहा कि बिना रजिस्ट्रेशन वाली संस्थाएं सीधे तौर पर संपत्ति कैसे रख सकती हैं? खड़गे ने संगठन के ऑडिट किए गए खातों और टैक्स फाइलिंग की जानकारी भी मांगी, यह कहते हुए कि कानूनी पारदर्शिता की जगह इतिहास नहीं ले सकता और बढ़ती पहुंच के साथ सार्वजनिक जवाबदेही भी बढ़नी चाहिए।

मैं आर्टिकल 370 को सपोर्ट करती हूं, मैं दिमागी नक्सल हूं

यह कहते हुए महबूबा मुफ्ती ने किया किरन रिजिजू पर पलटवार

-पीएम मोदी के 'दिमागी नक्सल' बयान पर सियासी घमासान तेज, मनोज झा और पी. चिदंबरम ने भी साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस के भाषण में इस्तेमाल किए गए 'दिमागी नक्सल' शब्द को लेकर सियासी विवाद तेज हो गया है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा प्रधानमंत्री के बयान का समर्थन किए जाने के बाद पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने उन पर पलटवार किया है। महबूबा ने रिजिजू की पोस्ट को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर री-शेयर करते हुए लिखा, 'मैं आर्टिकल 370 का समर्थन करती हूं। मैं दिमागी नक्सल हूं।'

दरअसल, किरेन रिजिजू ने प्रधानमंत्री मोदी के बयान को लेकर सोशल मीडिया पर सफाई देते हुए कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी ने पूरे विपक्ष को 'दिमागी नक्सल' नहीं कहा है। उन्होंने दावा किया कि यह शब्द उन लोगों के लिए इस्तेमाल किया गया है जो माओवादियों का समर्थन करते हैं, भारतीय संविधान को खारिज करते हैं, अलगाववादियों के साथ खड़े होते हैं या अनुच्छेद 370 का समर्थन करते हैं। रिजिजू ने यह भी कहा कि पूर्वोत्तर को भारत से अलग करने के लिए 'चिकन नेक' काटने की बात करने वालों को भी इस श्रेणी में रखा जा सकता है।

उनके इसी बयान पर जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने निशाना साधते हुए अपने पिता और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर साझा की और रिजिजू के दावे पर व्यंग्यात्मक प्रतिक्रिया दी है।

मनोज झा बोले- राजनीतिक शब्दावली का विस्तार कर रहे पीएम

आरजेडी सांसद मनोज कुमार झा ने भी प्रधानमंत्री मोदी के बयान पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि 'अर्बन नक्सल' से लेकर 'दिमागी नक्सल' तक प्रधानमंत्री राजनीतिक शब्दावली का लगातार विस्तार कर रहे हैं। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि यदि 'अर्बन नक्सल' पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री है तो 'दिमागी नक्सल' निश्चित रूप से पीएचडी होगी। उन्होंने कहा कि इसी रफ्तार से जल्द ही एक पूरे विश्वविद्यालय और नए शब्दकोश की जरूरत पड़ सकती है।

चिदंबरम ने 'अर्बन नक्सल' और 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' से जोड़ा

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने भी प्रधानमंत्री मोदी के बयान पर आपत्ति जताई। उन्होंने 'दिमागी नक्सल' को बीजेपी की पुरानी राजनीतिक शब्दावली का नया रूप बताया। चिदंबरम ने इसे 'अर्बन नक्सल', 'आंदोलनजीवी' और 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' जैसे शब्दों से जोड़ते हुए सवाल किया कि इन शब्दों का इस्तेमाल किन लोगों को निशाना बनाने के लिए किया गया था।

पीएम मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर किया था जिक्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में 'दिमागी नक्सल' शब्द का इस्तेमाल करते हुए देशवासियों को ऐसे लोगों से सतर्क रहने की अपील की थी, जो उनके अनुसार व्यवस्था में गहराई तक पैठ बना चुके हैं और नीतियों के साथ खिलवाड़ कर समाज के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा था कि देश जंगलों में सक्रिय सशस्त्र नक्सलवाद को समाप्त करने में काफी हद तक सफल रहा है, लेकिन उसके वैचारिक समर्थक अब भी हिंसा और अराजकता फैलाने के अवसर तलाश रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें अलग-थलग करने की अपील की थी। इसी बयान के बाद विपक्षी दलों ने सरकार पर राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने के लिए नई शब्दावली गढ़ने का आरोप लगाया है।

'उन्हें बार-बार बदनाम किया गया...', आशीष के निधन पर ममता की भावुक पोस्ट

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता और विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर आशीष बनर्जी के निधन पर गहरा दुख जताया है। रामपुरहाट विधानसभा सीट से पांच बार विधायक रहे आशीष बनर्जी की देह रविवार को बीरभूम जिले में स्थित पार्टी कार्यालय में फंदे से लटकी मिली थी। उनके निधन के बाद राजनीतिक विवाद भी शुरू हो गया है।

ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक भावुक पोस्ट में कहा कि आशीष बनर्जी के निधन से वह बेहद दुखी और व्यथित हैं। उन्होंने लिखा कि आशीष बनर्जी ने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा अध्यापन और समाजसेवा को समर्पित किया। अपने सरल स्वभाव और रामपुरहाट तथा बीरभूम के लोगों के साथ करीबी जुड़ाव के कारण वह हमेशा याद किए जाएंगे। ममता ने कहा कि इस घटना को और भी दर्दनाक बनाने वाली बात यह है कि अपने जीवन के अंतिम दिनों में आशीष बनर्जी भारी मानसिक और भावनात्मक दबाव से गुजरते दिखाई दिए। पांच बार विधायक, पूर्व डिप्टी स्पीकर और चेयरमैन के रूप में उन्होंने रामपुरहाट के विकास तथा लोगों के हित के लिए महत्वपूर्ण काम किए।

'बार-बार बदनाम किया गया'

ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि लंबे सार्वजनिक जीवन के बावजूद आशीष बनर्जी को बार-बार बदनाम किया गया, उन पर झूठे आरोप लगाए गए और लगातार दबाव में रखा गया। उन्होंने कहा कि जिस तरह के उत्पीड़न और मानसिक दबाव का उन्हें सामना करना पड़ा, वह राजनीतिक दुश्मनी की लगातार चल रही स्थिति की मानवीय कीमत पर सोचने के लिए मजबूर करता है। उन्होंने आशीष बनर्जी के परिवार, प्रियजनों, पूर्व छात्रों और उनके समर्थकों के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि इस कठिन समय में उनकी प्रार्थनाएं परिवार के साथ हैं।

शुभेंदु अधिकारी ने पुलिस जांच की मांग की

आशीष बनर्जी के निधन पर भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने भी शोक जताया। उन्होंने कहा कि आशीष बनर्जी के साथ उनकी अच्छी दोस्ती थी। अधिकारी ने परिवार से पुलिस जांच में सहयोग करने की अपील की और मामले की निष्पक्ष जांच के लिए कॉल रिकॉर्ड की भी जांच किए जाने की मांग की। आशीष बनर्जी के निधन के बाद टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी सहित पार्टी के कई नेताओं ने भी भाजपा और मीडिया के एक वर्ग पर पार्टी नेताओं के खिलाफ कथित बदनामी अभियान चलाने का आरोप लगाया है। मामले को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच पुलिस जांच पर भी सबकी नजर है।

हरसिमरत कौर ने सुखबीर बादल पर हमलों की एनआईए जांच की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर अपने पति और शिअद प्रमुख सुखबीर सिंह बादल पर हुए हमलों की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से उच्च-स्तरीय जांच की मांग की है। यह मांग 13 अगस्त, 2026 को महाराष्ट्र के नांदेड़ स्थित श्री हजूर साहिब गुरुद्वारे में शिअद अध्यक्ष सुखबीर बादल पर हुए हमले और 4 दिसंबर, 2024 को अमृतसर के गोल्डन टेम्पल में उनकी जान लेने की कोशिश के संदर्भ में की गई है।

हरसिमरत ने नांदेड़ की घटना को हत्या की एक कायराना और जघन्य कोशिश बताया। उन्होंने घटना की गंभीरता, उसके तरीके और परिस्थितियों का हवाला देकर केंद्र से इसकी जांच एनआईए को सौंपने की अपील की। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने अपने पत्र में 13 अगस्त, 2026 के हमले और 4 दिसंबर, 2024 की पिछली घटना, दोनों की उच्च-स्तरीय जांच का आदेश देने की मांग की है। उन्होंने दोनों घटनाओं के बीच संभावित संबंध और किसी बड़ी साजिश की भी जांच करने को कहा। हरसिमरत ने केंद्रीय मंत्री शाह को लिखे अपने पत्र में कहा कि इन दोनों जानलेवा कोशिशों में कई परेशान करने वाली समानताएं थीं, जिससे गंभीर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने पंजाब में राजनीतिक संघर्ष के लिए हिंसा को सामान्य और उचित ठहराने के तरीके पर चिंता व्यक्त की।

सांसद हरसिमरत ने कहा कि केवल एक स्वतंत्र केंद्रीय जांच ही घटनाओं की पूरी कड़ी का पता लगा सकती है, इसमें शामिल व्यक्तियों और संगठनों की पहचान हो सकती है, हमलों के जुड़ाव की पुष्टि कर सकती है, किसी भी संभावित चरमपंथी या विदेशी लिंक की जांच कर सकती है, और यह भी निर्धारित कर सकती है कि क्या सरकारी अधिकारियों की ओर से कोई विफलता, मिलीभगत या जानबूझकर कर्तव्य में लापरवाही बरती गई थी।

'मुझे व्यवस्था से मुक्त करें!' शहजाद पूनावाला ने दोबारा भेजा इस्तीफा

-पहले इस्तीफे के बाद पार्टी ने कहा था- फैसले पर पुनर्विचार करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक बार फिर पार्टी नेतृत्व को इस्तीफा भेजकर संगठनात्मक जिम्मेदारियों से मुक्त करने का आग्रह किया है। पार्टी की ओर से उनका पहला इस्तीफा स्वीकार नहीं किए जाने के बाद पूनावाला ने भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन को नया पत्र लिखा है। उन्होंने पद और सक्रिय सदस्यता छोड़ने के अपने फैसले को दोहराते हुए नेतृत्व से इस्तीफा स्वीकार करने की अपील की है।

पूनावाला ने अपना पत्र सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी साझा किया। उन्होंने कहा कि वह आभारी हैं कि पार्टी ने शुरुआती दौर में उनका इस्तीफा स्वीकार करने से इनकार किया और उनसे फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा था। हालांकि, लंबे और गहन चिंतन के बाद उन्होंने संगठन की भूमिका और सक्रिय सदस्यता से हटने का अंतिम निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में हुई घटनाओं ने उन्हें अपने पहले के फैसले पर कायम रहने के लिए मजबूर किया है। पूनावाला ने उन लोगों का नाम नहीं लिया, जिनकी वजह से कथित तौर पर ये घटनाएं हुईं।

अपने इस्तीफे के कारणों पर पूनावाला ने कहा कि वह अत्यंत जरूरी वित्तीय और व्यक्तिगत परिस्थितियों के कारण निजी क्षेत्र में जाने का निर्णय ले रहे हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के विजन तथा काम का समर्थन जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, ÷मैं केवल 'व्यवस्था'

छोड़ रहा हूं, 'व्यक्ति' या 'विचार' नहीं।÷ पूनावाला ने कहा कि उनका फैसला नाराजगी से प्रेरित नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा महासचिव बीएल संतोष सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के प्रति आभार, स्नेह और सम्मान व्यक्त किया।

'पसमांदा मुस्लिम, गैर-वंशवादी की कहानी'

पूनावाला ने पार्टी के साथ अपने करीब पांच वर्ष के सफर को याद करते हुए कहा कि भाजपा ने उन्हें मंच और अवसर प्रदान किए। उन्होंने एक्स पर पत्र साझा करते हुए लिखा कि किसी अन्य देश और किसी अन्य पार्टी में उनके जैसी कहानी– एक युवा, पसमांदा मुस्लिम और गैर-वंशवादी व्यक्ति की कहानी– शायद संभव नहीं होती।

कांग्रेस से शुरू किया था सियासी सफर

38 वर्षीय पूनावाला ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत कांग्रेस से की थी। राहुल गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष चुने जाने का विरोध करने और कांग्रेस छोड़ने के बाद वह राष्ट्रीय राजनीति में चर्चा में आए। इसके बाद वह भाजपा में शामिल हुए और पार्टी के प्रमुख राष्ट्रीय प्रवक्ताओं में शामिल हो गए। भाजपा में रहते हुए पूनावाला टीवी डिबेट, प्रेस ब्रीफिंग और सोशल मीडिया पर पार्टी का पक्ष रखने वाले प्रमुख नेताओं में रहे। वर्ष 2021 में उन्हें भाजपा के दिल्ली आईटी और सोशल मीडिया विभाग की जिम्मेदारी भी दी गई थी।

मुस्लिम चेहरा के कारण आगे किया?

कहा जाता है कि भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख मुस्लिम चेहरों में शामिल पूनावाला को अक्सर विवादित और हाई-प्रोफाइल राजनीतिक मुद्दों पर भाजपा का पक्ष रखने के लिए आगे किया जाता था। अब उन्होंने एक बार फिर पार्टी नेतृत्व से संगठनात्मक जिम्मेदारियों से औपचारिक रूप से मुक्त करने का आग्रह किया है। हालांकि, उनके पत्र में प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के विजन के प्रति समर्थन जारी रखने की बात कही गई है।

गॉल टेस्ट: भारत को 178 रन की बढ़त, श्रीलंका 284 पर सिमटा

सुथार ने 4, जडेजा ने 3 विकेट लिए, दिनूषा का शतक, डिकवेला चूके

गॉल | एजेंसी

भारत और श्रीलंका के बीच खेले जा रहे दो टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट के तीसरे दिन श्रीलंका की पहली पारी 284 रन पर सिमट गई। इसके साथ ही भारत को पहली पारी में 178 रन की बढ़त मिल गई। भारत ने पहली पारी में 462 रन बनाए थे। खराब रोशनी के चलते दिन का खेल समय से पहले खत्म कर दिया गया।

श्रीलंका के लिए सोनल दिनूषा ने 100 रन की पारी खेली। उन्होंने 4 चौके और 2 छक्के लगाए। निरोशन डिकवेला ने 80 रन बनाए। दोनों ने छठे विकेट के लिए 146 रन की साझेदारी की। भारत की ओर से मानव सुथार ने 4 विकेट लिए। रवींद्र जडेजा को 3 विकेट मिले। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपने 350 विकेट भी पूरे किए। कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज ने 1-1 विकेट लिया।

तेज हवा-बारिश के खतरे के बीच तीसरे दिन का खेल खत्म

गॉल में मौसम खराब होने के कारण तीसरे दिन का खेल समय से पहले खत्म कर दिया गया। आसमान में घने बादल छाने और तेज हवा के साथ बारिश की आशंका के बाद अंपायरों ने स्टंप्स घोषित कर दिए। चौथे दिन खेल सुबह 9:45 बजे शुरू होगा। श्रीलंका की पहली पारी 284 रन पर ऑलआउट हो गई। मानव सुथार ने लाहिरू कुमारा को 10 रन पर स्टंपिंग कराकर श्रीलंका की पारी समाप्त की। कुमारा ने शॉट खेलने के लिए क्रीज से बाहर निकलने की कोशिश की, लेकिन गेंद को मिस कर गए। विकेटकीपर ऋषभ पंत ने कोई गलती नहीं की और गिल्लियां बिखेर दीं। यह सुथार का पारी में चौथा विकेट रहा।

सोनल दिनूषा की पहली टेस्ट सेंचुरी

सोनल दिनूषा ने 100 रन की पारी खेली। यह उनका टेस्ट करियर का पहला शतक है। मानव सुथार की गेंद पर उन्होंने स्वीप शॉट खेलकर एक रन लिया और सेंचुरी पूरी की। श्रीलंका ने 59 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे, लेकिन दिनूषा ने पारी को संभाला। उन्होंने निरोशन डिकवेला के साथ 146 रन की साझेदारी की। एक समय श्रीलंका पर फालोऑन बचाने का खतरा मंडरा था, मगर दिनूषा व डिकवेला ने शतकीय साझेदारी कर फालोऑन बचा लिया। 73.3 ओवर में मानव सुथार की गेंद पर प्रभात जयसूर्या ने स्लॉग स्वीप खेलकर चौका लगाया। इस चौके के साथ श्रीलंका ने भारत के 462 रन के स्कोर के मुकाबले 263 रन पूरे कर लिए और फॉलोऑन के लिए जरूरी स्कोर हासिल कर लिया।

जडेजा के 350 टेस्ट विकेट पूरे

रवींद्र जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में 350 विकेट पूरे कर लिए हैं। उन्होंने गॉल टेस्ट के तीसरे दिन 66.4 ओवर में केशरा नुवानथा को 2 रन पर आउट कर यह उपलब्धि हासिल की। नुवानथा ने जडेजा की टर्न लेती गेंद पर शॉट खेला, लेकिन गेंद शॉर्ट लेग के पास खड़े खिलाड़ी से लगकर हवा में उछल गई। शुभमन गिल ने पीछे की ओर दौड़ते हुए कैच लपक लिया।

बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप: भारत के आयुष शेट्टी ने वर्ल्ड चैंपियन को हराया

नई दिल्ली। भारत के युवा बैडमिंटन स्टार आयुष शेट्टी ने बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप के पहले राउंड में वर्ल्ड चैंपियन और वर्ल्ड नंबर-1 चीन के शी यू ची को हरा दिया। इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में सोमवार से शुरू हुई बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में दुनिया में 22वें नंबर के भारतीय खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने मेंस सिंगल्स में यह मुकाबला 21-14, 13-21, 21-19 से जीता। आयुष शेट्टी ने 2023 में वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर अपनी पहचान बनाई थी। उन्हें सबसे बड़ी कामयाबी 2025 यूएस ओपन में मिली। उन्होंने फाइनल में कनाडा के ब्रायन यांग को 21-18, 21-13 से हराकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीता था। उन्होंने 2026 बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल हासिल किया था। भारत की पीवी सिंधु ने भी जीत से शुरूआत की। सिंधु ने विमेंस सिंगल्स के पहले राउंड में आयरलैंड की सोफिया नोबल को 29 मिनट में 21-7, 21-11 से हराया। दूसरे राउंड में सिंधु का मैच कनाडा की वेन यू झांग से होगा। वर्ल्ड नंबर-9 सिंधु ने पहले गेम में 8-0 की बढ़त बना ली। फिर 21 साल की सोफिया को वापसी का मौका नहीं दिया। दूसरे गेम में 141वीं रैंकिंग वाली नोबल ने बेहतर प्रदर्शन किया। ब्रेक तक सिंधु से सिर्फ 3 अंक पीछे थीं। फिर सिंधु ने अगले 13 में से 10 अंक जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। विमेंस डबल्स में त्रिषा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने स्पेन के पाउला लोपेज और एल रोड्रिगेज को 21-9, 21-13 से हराया।

स्टार डायजेस्ट

एएफसी महिला चैंपियंस लीग: ईस्ट बंगाल ने राजशाही स्टार्स को हराया

कोटा किनाबालू। घाना की मिडफील्डर ओलिविया अनोके के दो गोल के दम पर ईस्ट बंगाल ने एएफसी महिला चैंपियंस लीग के शुरुआती चरण में सोमवार को शानदार आगाज करते हुए बांग्लादेश के राजशाही स्टार्स एफसी को 4-0 से करारी शिकस्त दी। अनोके ने नौवें और 38वें मिनट में गोल किए जबकि भारत की अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अस्तम ओरांव ने 26वें मिनट में गोल कर टीम की बढ़त मजबूत की, जबकि सौम्या गुगुलोथ ने 71वें मिनट में चौथा गोल दागकर जीत पर मुहर लगा दी। ईस्ट बंगाल का अगला मुकाबला गुरुवार को गुआम की रोवर्स एफसी से होगा। इसके बाद रविवार को टीम मेजबान साबाह एफए का सामना करेगी। शुरुआती चरण के क्वालीफायर में ग्रुप से केवल शीर्ष स्थान हासिल करने वाली टीम ही मुख्य टूर्नामेंट के ग्रुप चरण के लिए क्वालीफाई करेगी।

डब्ल्यूसीएल में खेलेंगे डेविड वार्नर, डिविलियर्स, युवराज और ब्रावो

नयी दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर, युवराज सिंह, ड्वेन ब्रावो और एबी डिविलियर्स जैसे दिग्गज खिलाड़ी तीन अक्टूबर से शुरू होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के तीसरे सत्र में खेलेंगे। यह टूर्नामेंट तीन से 18 अक्टूबर तक खेला जाएगा, हालांकि अभी तक आयोजन स्थल की घोषणा नहीं की गई है। डब्ल्यूसीएल के पहले सत्र में इंडियन चैंपियन ने पाकिस्तान चैंपियन को हराया था। दूसरे सत्र में साउथ अफ्रीका चैंपियन ने पाकिस्तान चैंपियन को हराकर खिताब जीता था। आयोजकों ने कहा, डब्ल्यूसीएल के तीसरे सत्र में कुछ बड़े खिलाड़ियों के शामिल होने की उम्मीद है। इन खिलाड़ियों में युवराज सिंह, एबी डिविलियर्स, ड्वेन ब्रावो, शाहिद अफरीदी, मोईन अली, डेविड वार्नर और महमदुल्लाह रियाद भी शामिल हैं।

यशस्वी को रिलीज कर सकता है राजस्थान

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स आईपीएल 2027 से पहले भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल को रिलीज कर सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मुंबई इंडियंस के हार्दिक पंड्या के साथ उनका ट्रेड हो सकता है। खबर है कि राजस्थान का मैनेजमेंट जायसवाल के रवैये से खुश नहीं हैं। इसकी मुख्य वजह रियान पराग को उनसे पहले कप्तानी सौंपना बताई जा रही है। हालांकि फ्रेंचाइजी या खिलाड़ी की ओर से इस पर कोई ऑफिशियल बयान नहीं आया है। आईपीएल 2026 में जायसवाल का हाईएस्ट स्कोर 77 रन रहा। जो उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ बनाया था।

हॉकी वर्ल्डकप: इंग्लैंड ने भारत को 4-2 से हराया

एम्सटेलवीन | एजेंसी

भारतीय टीम पुरूष हॉकी वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ 4-2 से हार गई है। इंग्लैंड ने उसे इस टूर्नामेंट में छठी बार हराया है। सोमवार को एम्सटेलवीन के वैगेनर स्टेडियम में भारत हाफ टाइम तक 2-1 से आगे था, लेकिन दूसरे हाफ में इंग्लैंड ने तीन गोल कर मैच पलट दिया। इस हार के साथ वर्ल्डकप में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की जीत का इंतजार 32 साल का हो गया। उसने आखिरी बार 1994 में इंग्लैंड को हराया था। इंडिया का अगला मैच 19 अगस्त को पाकिस्तान से होगा। पहले क्वार्टर में भारत ने तेज शुरूआत की। उसे छठे मिनट में गोल का मौका मिला, लेकिन जरमनप्रीत सिंह का शॉर्ट गोल पोस्ट के बाहर चला गया।

14वें मिनट में निकोलस बंडुराक पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके इंग्लैंड को 1-0 से आगे कर दिया। उनका शॉर्ट इतना तेज था कि भारतीय गोलकीपर मोहित रिएक्ट तक नहीं कर सके। दूसरे क्वार्टर में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत ने 17वें मिनट पर मिले पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया। 24वें मिनट में हर्दिक और अभिषेक ने शानदार मूव बनाया। इस पर दिलप्रीत सिंह ने फील्ड गोल करके भारत को 2-1 से आगे कर दिया। हाफ टाइम भारत 2-1 से आगे था।

तीसरे क्वार्टर में इंग्लैंड की वापसी

तीसरे क्वार्टर में इंग्लैंड ने वापसी की। 39वें मिनट में स्टुअर्ट रशमेयर ने शानदार फ्लिक से डिफ्लेक्ट कर गोल कर दिया। यहां इंग्लैंड ने स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। 44वें मिनट में रशमेयर ने गेंद हेनरी क्रॉफ्ट के पास पहुंचाई। क्रॉफ्ट ने जोरदार हिट लगाकर गोल पोस्ट के निचले कोने में पहुंचा दिया। यहां इंग्लैंड 3-1 से आगे हो गया। 51वें मिनट में भारत को गोल करने का मौका मिला, लेकिन अभिषेक का शॉर्ट गोल पोस्ट के बेहद करीब से बाहर निकल गई। 54वें मिनट में बंडुराक ने इंग्लैंड को पेनल्टी कॉर्नर दिलाया। उन्होंने सुमित के पैर पर गेंद मारी। इस मौके पर बंडुराक ने गोल किया। उन्होंने पेनल्टी पर दूसरा गोल किया। यह इंग्लैंड की लगातार दूसरी जीत है, वह दो मैचों में दो जीत के साथ टॉप पर है। भारत के खाते में एक जीत और एक हार है।

चीन से ड्रॉ के 'टॉनिक' के बाद भारतीय महिला टीम टीम की नजरें पूल में शीर्ष दो में रहने पर

ओलंपिक रजत पदक विजेता और दुनिया की चौथे नंबर की टीम चीन को ड्रॉ पर रोकने के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय महिला हॉकी टीम अब मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बड़े अंतर से जीत दर्ज करके पूल में शीर्ष दो में रहने का दावा ठोकने के इरादे से उतरेगी। पूल डी में इस समय दक्षिण अफ्रीका पर 4-0 से मिली जीत के बाद इंग्लैंड शीर्ष पर है जबकि चीन और भारत दूसरे और दक्षिण अफ्रीका चौथे स्थान पर है। पूल से शीर्ष दो टीमें दूसरे दौर में जायेंगी और विश्व रैंकिंग में नौवे स्थान पर काबिज भारत के लिये 18वीं रैंकिंग वाली दक्षिण अफ्रीका की चुनौती कठिन नहीं है लेकिन कोच शोर्ड मारिन की टीम का लक्ष्य अब बड़े अंतर से जीत दर्ज करने का होगा। विश्वकप के बदले प्रारूप में इस बार हर पूल से शीर्ष दो टीमें दूसरे दौर का पूल चरण खेलेंगी जिसमें आठ टीमें होंगी। इस चरण में चार चार टीमों के दो पूल होंगे लेकिन टीमें तीन नहीं बल्कि दो दो मैच खेलेंगी। यानी अगर भारत और चीन दोनों अगले दौर में जाते हैं तो उनका एक-दूसरे से सामना नहीं होगा और पहले पूल चरण के एक-एक अंक आगे जायेंगे और भारत की संभावनाओं के लिये चीन के खिलाफ ड्रॉ काफी महत्वपूर्ण था।

स्वियातेक का शानदार प्रदर्शन जारी, सबालेंका भी जीती

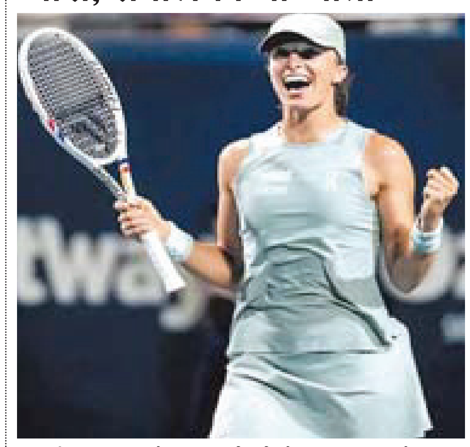

मेसन। पिछले सप्ताह टोरंटो में खिताब जीतने वाली इगा स्वियातेक ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में कोलंबियाई खिलाड़ी एमिलियाना अरंगो को 6-3, 6-0 से हराया। यह स्वियातेक की लगातार सातवीं जीत थी। उन्होंने पिछले साल सिनसिनाटी में खिताब जीता था। एरिना सबालेंका ने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी तालिया गिब्सन को 6-2, 7-6 (2) से हराया। सबालेंका का 2022 से सिनसिनाटी में रिकॉर्ड 15-3 हो गया है। टोरंटो में फाइनल में स्वियातेक से हारने वाली एलेना रायबाकिना ने अमेरिकी खिलाड़ी टेलर टाउनसेंड को 6-3, 6-4 से हराया। पुरुष वर्ग में टेलर फ्रिट्ज ने अपने हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी एलेक्स मिशेलसेन को 6-3, 6-4 से जबकि विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी फेलिक्स ऑगर-एलियासिमे ने स्टेफानोस सिटसिपास को सीधे सेटों में 6-3, 7-5 से हराया।

प्रज्ञानानंदा ने अरोनियन से ड्रॉ खेला, 3.5 अंकों के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर कायम

सेंट लुइस | एजेंसी

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंदा ने 'ग्रैंड चेस (शतरंज) टूर' के तहत खेले जा रहे सिंकफील्ड कप के छठे दौर में अमेरिका के ग्रैंडमास्टर लेवोन अरोनियन के खिलाफ बाजी ड्रॉ खेली। इस परिणाम के साथ प्रज्ञानानंद 3.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। टूर्नामेंट में अब केवल तीन दौर बाकी हैं। अमेरिका के वेस्ली सो चार अंकों के साथ शीर्ष पर हैं। 4,75,000 डॉलर की पुरस्कार राशि वाले इस टूर्नामेंट में पांच मुकाबलों में से केवल एक का नतीजा निकला। सो ने फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के साथ अंक बांटे।

प्रज्ञानानंदा के अलावा वाचियर-लाग्रेव और जर्मनी के विन्सेंट कीमर भी 3.5 अंकों के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। अमेरिका के फैबियानो कारुआना, सेवियन सैमुअल्स और अरोनियन तीन-तीन अंकों के साथ संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर हैं।

द हंड्रेड चैंपियन क्रिकेट

मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने जीता खिताब

लॉर्डस | एजेंसी

मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने पहली बार 'द हंड्रेड' मेन्स कॉम्पिटिशन का खिताब जीत लिया। लॉर्ड्स में खेले गए फाइनल में टीम ने ट्रेंट रॉकेट्स के 158 रन के लक्ष्य को 19.3 गेंद में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। टिम सीफर्ट ने 38 गेंद में 72 रन की पारी खेलकर जीत की नींव रखी। जबकि लियम डॉसन ने आखिरी गेंदों में छक्का लगाकर टीम को चैंपियन बना दिया। मैनचेस्टर की जीत में न्यूजीलैंड के टिम साइफर्ट सबसे बड़े हीरो रहे। उन्होंने 38 गेंद में 72 रन बनाए। पारी में 7 छक्के और 4 चौके शामिल रहे। साइफर्ट ने सिर्फ 23 गेंद में फिफ्टी पूरी कर ली थी। उन्होंने पॉल वॉल्टर के साथ पहले विकेट के लिए तेज शुरूआत करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

आखिरी गेंदों में रोमांच

सीफर्ट के आउट होने के बाद मैनचेस्टर का स्कोर 23 गेंद बाकी रहते 136 रन था और जीत के लिए 23 रन चाहिए थे। इसके बाद ट्रेंट रॉकेट्स ने वापसी की कोशिश की। मोहम्मद आमिर ने लगातार गेंदों पर हेनरिक क्लासेन और माइकल ब्रेसवेल को आउट कर दिया। मैनचेस्टर को आखिरी 3 गेंद में 3 रन चाहिए थे।

बेन सैंडरसन की अगली दो गेंदों पर रन नहीं बना। इसके बाद लियाम डॉसन ने तीसरी गेंद पर मिड-विकेट के ऊपर से छक्का लगाकर मैच खत्म कर दिया। मैनचेस्टर ने 19.3 गेंद में 5 विकेट पर 162 रन बनाकर 5 विकेट से जीत दर्ज की। इससे पहले ट्रेंट रॉकेट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 100 गेंद में 8 विकेट पर 158 रन बनाए।

व्यापार स्टार

सेंसेक्स 281 अंक टूटा, निफ्टी में पाचवें दिन गिरावट

मुंबई | एजेंसी

घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को गिरावट आई और दोनों मानक सूचकांक नुकसान में रहे। कच्चे तेल के दाम में तेजी और पश्चिम एशिया में तनाव जारी रहने के बीच बीएसई सेंसेक्स 281 अंक के नुकसान में रहा जबकि एनएसई निफ्टी में 78 अंक की गिरावट आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 281.09 अंक यानी 0.36 प्रतिशत टूटकर 77,728.16 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 555.5 अंक की गिरावट के साथ 77,453.75 अंक तक आ गया था।

इसी प्रकार पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 78.35 अंक यानी 0.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,287.65 अंक पर बंद हुआ। इसके साथ ही निफ्टी में लगातार पाचवें दिन गिरावट का सिलसिला जारी रहा। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में इन्फोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, सन फार्मा, टाटा कंसल्टेंसी सिर्विसेज, टेक महिंद्रा और आईटीसी के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। दूसरी तरफ लाभ में रहने वाले शेयरों में टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल हैं। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.11 प्रतिशत बढ़कर 89.50 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार

ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा, भारतीय शेयर बाजार सोमवार को मामूली गिरावट के साथ बंद हुए। अमेरिका-ईरान संघर्ष को लेकर बनी अनिश्चितता और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की दिशा में ठोस प्रगति नहीं होने से निवेशकों ने बाजार से दूरी बनाये रखी। एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की, चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में रहे। दक्षिण कोरिया के शेयर बाजार अवकाश के कारण बंद रहे।

यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में मिला-जुला रुख देखने को मिला। इससे पहले शुक्रवार को अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए थे।

निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई

शोध विश्लेषण कंपनी एचएसटी वेल्थ के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी हरिसेल्वन राधाकृष्णन ने कहा, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई और घरेलू शेयर बाजार लगातार पांचवें सत्र में गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि, कारोबार में निचले स्तर से कुछ सुधार आया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 508.12 करोड़ रुपये की शुद्ध लिवाली की थी। इससे पहले शुक्रवार को सेंसेक्स 70.71 अंक टूटकर 78,009.25 अंक पर बंद हुआ था, जबकि निफ्टी 29.85 अंक प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,366 अंक पर रहा था।

रुपया 19 पैसे टूटकर 95.61 प्रति डॉलर पर

मुंबई | एजेंसी

कमजोर घरेलू शेयर बाजार और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच रुपया सोमवार को 19 पैसे टूटकर 95.61 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिका और ईरान के बीच समझौते में देरी, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों तथा डॉलर की व्यापक मजबूती के दबाव से रुपये की विनिमय दर में हल्की नकारात्मक धारणा रहने के आसार हैं। इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा एफसीएनआर (बी) जमा के लिए अपनी मुद्रा अदला-बदली सुविधा केवल 31 अगस्त तक जुटाई गई जमाओं के लिए उपलब्ध होने की घोषणा के बाद से भी निवेशक सतर्क हैं।

इससे पहले विदेशी मुद्रा प्रवासी (बैंक) या एफसीएनआर (बी) जमाओं के लिए 'कट-ऑफ' तारीख 30 सितंबर थी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.50 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 95.49 से 95.62 प्रति डॉलर के दायरे में रहा। अंत में यह 95.61 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 19 पैसे की गिरावट है। रुपया शुक्रवार को तीन पैसे मजबूत होकर 95.42 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा कि कमजोर घरेलू बाजारों और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के कारण रुपये में गिरावट आई। हालांकि, डॉलर में नरमी ने रुपये की गिरावट को सीमित किया। उन्होंने कहा, अमेरिका और ईरान के बीच समझौते में देरी तथा कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण रुपये में हल्की नकारात्मक धारणा रहने के आसार हैं। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.26 प्रतिशत टूटकर 99.40 पर रहा।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com